भाग-6

1. मुक्ति की आकांक्षा

पाठ से

मौखिक

1. (क) चिड़िया को पिंजरे के बाहर की दुनिया के बारे में बताया जाता है कि धरती बहुत बड़ी है, निर्मम है। वहाँ हवा में उन्हें अपने ज़िस्म की गंध तक नहीं मिलेगी। बाहर समुद्र है, नदी है, झरना है लेकिन फिर भी उन्हें पानी के लिए भटकना है। बाहर उन्हें बहेलिए का डर है।

   (ख) बाहर की दुनिया में पानी के स्रोत के रूप में समुद्र, नदी और झरने हैं।

   (ग) यहाँ चुग्गा मोटा है का तात्पर्य यह है कि खाने के लिए मोटे-मोटे दाने हैं।

   (घ) मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी चिड़िया पिंजरे से जितना अंग निकाल पाती है, निकालती है, पूरा जोर लगाती है और पिंजरा टूट जाने या खुल जाने पर उड़ जाती है।

लिखित

   (क) पिंजरे के बाहर पक्षियों को खाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है और बहेलिए का भी डर है।

   (ख) पिंजरे में खाने के लिए मोटे-मोटे दाने हैं।

   (ग) चिड़िया पिंजरे के बाहर खुले स्वर में गाती है, वह स्वतंत्र होकर गाती रहती है।

   (घ) मुक्ति का गाना चिड़िया गाती है क्योंकि वह बाहर की दुनिया में निकलकर स्वतंत्र होकर जीना चाहती है।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (अ) (✓)

   (ग) (द) (✓) (घ) (ब) (✓) (ङ) (स) (✓)

3. प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि धरती का आकार बहुत बड़ा है, धरती निर्मम है। धरती पर बहने वाली हवा में चिड़ियों को अपने शरीर की गंध भी नहीं मिलती क्योंकि धरती का आकार बहुत बड़ा है।

4. आज़ादी दुनिया के हर सुख से बढ़कर है। महलों के राग-रंग, सुख-सुविधाएँ सब फीके हैं, यदि उसमें आज़ादी का पुट न हो, स्वतंत्रता का रस न हो। सभी जीव-जंतु जो गुलामी के बंधन में जकड़े हैं, मुक्त होना चाहते हैं। इसलिए कविता का शीर्षक सार्थक है।

भाषा से

1. (क) लाख – संख्या, ज्वलनशील

   (ख) जल – पानी, चमक

   (ग) स्वर – आवाज़, अक्षर

   (घ) पर – पंख, परंतु

2.

चिड़िया	–	खग	पक्षी	–	विहग
धरती	–	भूमि	धरा	–	ज़मीन
हवा	–	वायु	पवन	–	समीर
समुद्र	–	सिंधु	जलधि	–	सागर
नदी	–	सरिता	तटिनी	–	आपगा
जल	–	पानी	वारि	–	नीर

3. व्यक्तिवाचक – धरती, हवा, समुद्र, नदी, झरना

   जातिवाचक – चिड़िया, बहेलिया

   भाववाचक – निर्मम, डर

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) हर जीवधारी को स्वतंत्रता इसलिए प्यारी होती है क्योंकि परतंत्रता पैरों में पड़ी बेड़ी के समान होती है। वह न तो अपने मनपसंद जीवन जी नहीं सकता न ही कहीं आ-जा सकता है।

(ख) हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ कि आजादी दुनिया के हर सुरत से बढ़कर है। महलों के राग-रंग, सुख-सुविधाएँ सब फीके है, यदि उसमें आजादी का पुट न हो, स्वतंत्रता का रस न हो। गुलाम जिंदगी कभी श्रेष्ठ नहीं हो सकती है।

आलोचनात्मक सोच

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

2. बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) (स) (✓) (ख) (ब) (✓)

3. चित्र वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को देखकर 40-45 शब्दों में वर्णन करें।

2. पुरस्कार

पाठ से

1. मौखिक

(क) जयशंकर प्रसाद

(ख) राजा ने

(ग) अरुण मगध का राजकुमार था।

(घ) मधूलिका वीर सिंहमित्र की बेटी थी।

(ङ) सिंहमित्र ने वाराणसी की लड़ाई में कौशल को मगध से बचाया था।

लिखित

(क) कौशल देश में कृषि उत्सव जब मनाया जाता है तो देश के सभी निवासी ज़मीन पर जमा होते हैं, मंगलगीत गाए जाते हैं, पंडित मंत्र पढ़ रहे हैं। इसके पश्चात राजा हल चलाते हैं। लोग खील और फूल बरसाते हैं।

(ख) मधूलिका ने राजा द्वारा दी गई राशि का वार राजा पर ही कर दिया और कहा, ''महाराज! यह मेरे बाप-दादा की ज़मीन है और मैं इसे आपको ऐसे ही दान देने को तैयार हूँ, पर बेचूँगी नहीं।''

(ग) मधूलिका दूसरों के खेतों में कड़ी मेहनत करती थी। रूखा-सूखा खाकर अपनी झोंपड़ी में जीवन बिता रही थी।

(घ) राजकुमार अरुण मधूलिका के पास इसलिए आया क्योंकि वह किले पर हमला करने वाला था।

(ङ) मधूलिका ने मनचाहा पुरस्कार के रूप में प्राणदंड माँगा क्योंकि राजकुमार अरुण कौशल देश पर हमला करने वाला था और इसकी जानकारी मधूलिका को थी। इसलिए वह स्वयं को इसके लिए जिम्मेवार मान रही थी।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (स) (✓)
(ग) (ब) (✓)

भाषा से

2. छात्र स्वयं करें।

3. (क) (स) (✓) (ख) (ब) (✓)
(ग) (स) (✓) (घ) (अ) (✓)

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

(क) वीर सेनापति सिंह मित्र की कन्या के साथ राजा ने सही व्यवहार किया क्योंकि एक ओर मधूलिका राजकुमार अरूण के प्रेमपाश में एकबंध कर अपने ही देश पर हमला करने के लिए आमंत्रण दिया तथा फिर उसमें अपने देश के प्रति स्वामीभक्ति तथा देशप्रियता का भाव उत्पन्न हुआ परिणामस्वरूप उसने राजा को सब कुछ सही-सही बता दिया।

(ख) मधुलिका ने मगध के विद्रोही राजकुमार अरूण की अपने देश के विरुद्ध मदद करना उसका अनुचित कार्य। ऐसा करके मधुलिका ने अच्छा कार्य नहीं किया यह उसकी देशभक्ति के साथ-साथ देशद्रोहिता की झलक दिखलाई पड़ती है।

2. गहन चिंतन

राजकुमार अरूण के विद्रोही बनने के उनके अपने पारिवारिक और व्यक्तिगत कारण रहे होंगे। राजकुमार अरूण का नाराज होकर अपनी जन्मभूमि को त्यागना सही कदम नहीं था।

3. विचार-विमर्श

'देशप्रेम' अपने देश के विकास, उसकी गरिमा को बढ़ाने में सकारात्मक भूमिका निभाना एवं आवश्यकता पड़ने पर अपने देश के लिए मर मिटने के लिए तैयार रहना ही देशप्रेम है।

निसंदेह देश की सीमाओं की रखवाली करने वाले हमारे सैनिक देशप्रेम से लबरेज होते हैं। संसार में यदि कहीं देशप्रेम की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है तो वह भारत देश एवं यहाँ के लोगों में ही है जिन्होंने इतिहास की हर सदी में अपने वतन की रक्षा की रक्षा की खातिर जान तक कुरबान कर देने के उदाहरण प्रस्तुत किए है।

4. अंतर अनुशासनात्मक गतिविधि

मगध वर्तमान समय में दक्षिणी बिहार में स्थित था जो कालांतर में उत्तर भारत का सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य बन गया। मगध की प्राचीन राजधानी राजगृह थी। कालांतर में मगध की राजधानी पाटिलपुत्र स्थापित हुई।

5. जीवन कौशल और मूल्य

कौशल महाराज एक दिन के लिए किसान बन कर हल प्रजा के खेत में चलाते थे इससे उनकी प्रजाप्रियता सहृदयता के गुण का पता चलता है।

6. भारत का ज्ञान

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

7. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ इस कहानी का नाट्य रूपांतरण कक्षा में अपने साथियों के साथ प्रस्तुत करें।

3. हींगवाला

पाठ से

1. मौखिक

(क) हींग

(ख) सावित्री नरम स्वभाव की थी।

(ग) बच्चों को खान ने बचाया।

लिखित

(क) पहले-पहल सावित्री खान से हींग इसलिए नहीं लेना चाहती थी क्योंकि उसके पास पहले से हींग पड़ी थी।

(ख) खान द्वारा ज़बरदस्ती हींग दिए जाने पर बच्चों ने हींग की पुड़िया उठाकर खान के पास फेंकते हुए कहा, "ले जाओ, हमें नहीं लेनी है।"

(ग) बच्चे बहुत नाराज़ थे क्योंकि उन्हें यह लग रहा था कि माँ ने खान को तो पैसे दे दिए, लेकिन अभी हम माँगें तो कभी न दे।

(घ) बच्चों को छह-छह आने मिलने थे। बच्चों ने पैसे का बँटवारा किया और रतन ने छह आने, छोटे ने छह आने और मुन्नी ने चार आने लिए।

(ङ) माँ ने खान को हींग लेने के बदले पैसे दिए।

(च) बच्चे पैसे लेकर मलाई की बरफ खाना चाहते थे।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (स) (✓) (ग) (ब) (✓)

भाषा से

1. (क) खान, दंगे की खबर सुनकर भी तुम हमारे घर चले आए।

(ख) वह दौड़कर बाहर आई।

(ग) शोर-गुल बढ़कर शांत हो गया।

(घ) दंगा होते ही श्यामू तो हमें छोड़कर भाग गया।

2.

गज़का	–	कागज	कटफा	–	फाटक
सलूजु	–	जुलुस	हशदरा	–	दशहरा
साहिब	–	हिसाब	यापुड़ि	–	पुड़िया

3. (क) फूला न समाना (अत्यधिक खुश होना)

परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने पर सावित्री फूली नहीं समाई।

(ख) आसमान टूट पड़ना (घोर विपत्ति आना)

रवि के पिता की कल ही मृत्यु हुई। इन दिनों उसके परिवार पर जैसे आसमान टूट पड़ा हो।

(ग) मन मसोसकर रह जाना (पछताना)

परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाने के कारण रमन असफल रहा। अब मन मसोसकर रहने के अलावा उसके पास कोई चारा नहीं है।

(घ) कलई खुलना (पोल खुलना)

पुलिस ने जब बदमाशों को पकड़ लिया तब उनके कारनामों की कलई खुल गई।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

हाँ अभी भी हींग बेचने वाले अफगानी आज भी व्यापार करने भारत आते हैं। आपके शहर, मुहल्ले की गलियों में आए दिन अफगानी हींग बेचते हुए नजर आते हैं। अफगान की हींग प्रसिद्ध हींग होती है। कहानी में अफगानी हींगवाले का वर्णन किया गया है। हींगवाला 'खान' है जो हींग बेचने का काम करता है।

गहन चिंतन

यदि खान लेखिका के बच्चों को न बचाता तो सभी बच्चे काली के जुलूस में हुए दंगे में मारे जाते, लेकिन खान ने अपने जान की परवाह न करके दंगे में बच्चों को बचाकर सुरक्षित घर पहुँचा देता है।

2. रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ अधूरे संवाद को पूरा करें।

3. चित्र वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र का वर्णन 40–45 शब्दों में करें।

4. दादा साहब फालके

पाठ से

1. मौखिक

(क) नासिक

(ख) छायांकन का प्रशिक्षण

(ग) प्रक्षेपण कक्ष के पास

(घ) रोहिताश्व की मृत्यु सांप के काटने से होती है, इसलिए कोई भी माँ अपने बच्चे को रोहिताश्व का अभिनय नहीं करने देना चाहती थी।

(ङ) राजा हरिश्चन्द्र

2. (अ) (क) (स) (✓) (ख) (द) (✓)

(ब) (क) (अ) (✓) (ख) (अ) (✓)

(स) (क) (ब) (✓)

भाषा से

1. (क) कठिनतम – तम; पुरोहिताई – आई

(ख) फल-फूल – फल और फूल – द्वंद्व समास

(ग) गाँव – ग्राम, बहू – वधू

(घ) शुरू – प्रारंभ, खत्म – समाप्त

(ङ) चिन्ह – चिह्न सनयासी – संन्यासी

(च) पत्रिकाएँ – पत्रिका पुस्तकें – पुस्तक

(छ) घुप्प अँधेरा – घोर अँधेरा

2. (क) (ब) (✓) (ख) (अ) (✓)

(ग) (ब) (✓) (घ) (अ) (✓)

3. (i) मैं जाऊँगा।

(ii) मैंने लिखना शुरू कर दिया है।

(iii) हमने तुम्हें मना किया था।

(iv) विशाल ने खाना खा लिया है।

(v) माली ने बगीचे को पानी दिया।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

बीसवीं सदी के प्रारंभ में कोई भी महिला फ़िल्म में अभिनय करने के लिए तैयार नहीं होती। 1812 में फ़िल्म बनाने के रास्ते में आनेवाली कठिनाइयों की आज कल्पना ही नहीं की जा सकती। उस समय के नाटकों में भी स्त्री पात्रों की भूमिकाएँ स्त्रियों से ही कराना चाहते थे जो एक असंभव इच्छा थी। उस जमाने में किसी भी महिला से फ़िल्म में अभिनय करने के विषय में पूछना कठिन था।

गहन चिंतन

फ़िल्म राजा हरिश्चंद्र में रोहिताश्व की भूमिका अपने पुत्र से कराकर दादा साहब फालके ने अंधविश्वास से लड़के का काम किया।

राजा हरिश्चंद्र के लिए नायक की भूमिका में रंगमंच के अभिनेता दबके और तारामती की भूमिका में सालुके का चुनाव कर लिया गया, लेकिन अभी कठिनाइयाँ समाप्त नहीं हुई थी। इस कथा में रोहिताश्व की साँप के काँटने से मृत्यु हो जाती है। इस प्रसंग के लिए कोई भी माँ अपना सात-आठ साल का बेटा देने को तैयार नहीं थी। दादासाहब ने धन का लालच दिया, यश का मोह दिखाया। यह भी बताया कि यह फ़िल्म है लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ अंततः उन्होंने अपना ही पुत्र रोहिताश्व की भूमिका में ले लिया। श्रीमती सरस्वती फालके को यह अंधविश्वास छू भी नहीं पाया था।

2. अनुभव आधारित अधिगम

परियोजना-कार्य

छात्र/छात्राएँ चार्ट पेपर पर 'भारतीय सिनेमा में दादा साहब फालके का योगदान' पर लिखें।

3. संचार

छात्र/छात्राएँ कक्षा में दादा साहब फालके पर एक परिचर्चा आयोजित करें।

5. विभु काका

पाठ से

1. मौखिक

(क) विभु 'का' ऊपर से नीचे तक एकदम बदल गए थे क्योंकि पहले वे कोट-पैंट पहना करते थे, टाई भी लगाते थे और जूते भी चमचमाते हुए पहनते थे। लेकिन अब वे खादी का कुरता-पाजामा पहनने लगे। साधारण-सी चप्पल पहनने लगे और उनके सिर के बाल भी छोटे हो गए थे।

(ख) हर मंगलवार को विभु 'का' दूसरे गाँव जाते थे और घर-घर जाकर रोगियों का हाल-चाल भी लेते थे।

(ग) विदेश में बसने के प्रलोभनों को विभु 'का' ने इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें तो अपना देश ही प्यारा था। वे अपने ही देश के किसानों की सेवा करना चाहते थे।

(घ) आस-पास के गाँवों में घूमने के बाद लेखक इस नतीजे पर पहुँचे कि विभु काका के प्रयास से पूरा-का-पूरा क्षेत्र ही आदर्श हो गया है। काका ने घर-घर, गाँव-गाँव में जाकर लोगों को खेती के काम की जानकारी दिया है।

(ङ) गाँव-गाँव के, घर-घर के लोग अकसर दोहराते कि विभु 'का' आदमी नहीं, देवता हैं।

लिखित

(क) लेखक विभु 'का' के अनोखे संसार को आश्चर्य से देख रहे थे। उनके इस अनोखे संसार में लेखक ने देखा—दो-दो ट्रैक्टर चल रहे थे। घर के पास ही पशुओं के बाड़े में दो गायें बैठी जुगाली कर

रही थीं। सामने हरी-भरी सब्ज़ियों की बगीची थी। दूर लहलहाते खेतों के उस पार बहुत बड़ा फलों का बगीचा था।

(ख) विभु 'का' ने अमेरिका में कृषि-विज्ञान की पढ़ाई की थी। उसके बाद भारत लौटने पर दिल्ली के पूसा कृषि अनुसंधान में वर्षों तक काम करते रहे।

(ग) देश में पैदावार बढ़ाने के लिए विभु काका ने धान और गेहूँ की ऐसी नई किस्में तैयार की थीं, जो कम वर्षा वाले क्षेत्र में आसानी से उग सकती थीं। मक्का पर भी उनकी खोज कम महत्वपूर्ण नहीं थी। एक-एक भुट्टे की जगह उन्होंने छह-छह, सात-सात भुट्टे उगाए थे।

(घ) लेखक को गाँव के लोगों ने विभु काका के बारे में बताया कि देश-विदेश में रहकर काका ने खेती के संबंध में जो भी ज्ञान प्राप्त किया, उसका लाभ उन्होंने घर-घर, गाँव-गाँव में जाकर पहुँचाया। अब काका के प्रयास से पूरा-का-पूरा क्षेत्र आदर्श हो गया है। विभु 'का' आदमी नहीं, देवता हैं।

(ङ) काका घर-घर जाकर लोगों को समझाते थे कि खेती कैसे करें, जिससे अन्न की पैदावार बढ़े। वे सबको बताते हैं—स्वच्छ रहने से क्या-क्या लाभ हैं। आए दिन बीमारियों से छुटकारा कैसे मिल सकता है और बच्चों को पाठशाला क्यों भेजना चाहिए।

2. (क) (स) (✓) (ख) (द) (✓)

(ग) (ब) (✓) (घ) (अ) (✓)

3. प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से गाँव के प्राकृतिक वातावरण का मनोरम वर्णन किया गया है। गाँव में ताज़े अनाज, ताज़ी सब्ज़ियाँ, ताज़ा घी, दूध-दही शहरों में नहीं मिल पाते। इसलिए गाँव के खेत प्रकृति की सबसे बड़ी खुली किताब है। इससे अधिक अच्छी और प्रामाणिक किताब दूसरा नहीं है।

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. साधारण – विशेष सफलता – विफलता
   विस्तार – सीमित गरीबी – अमीरी
   आकर्षक – नीरस देवता – दानव
   पुरस्कार – दण्ड प्रामाणिक – अप्रमाणिक
   लाभ – हानि
2. (क) कर्ता कारक (ख) संप्रदान कारक
   (ग) अधिकरण कारक (घ) करण कारक
   (ङ) संबंध कारक
3. छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

हाँ, हम कह सकते है कि विभु काका में देशप्रेम कूट-कूट कर भरा था। कुछ लोग ऐसे भी होते है, जो ऐश्वर्य की दुनिया को ठोकर मार अपने लोगों, अपनी मातृभूमि की सेवा में जूलट जाते हैं। उच्च शिक्षित विभु काका ऐसे ही व्यक्ति है। वे कृषि वैज्ञानिक है। विदेशी ठाठ-बाट को ठुकराते हुए उन्होंने अपने देश के ग्रामीणों की दशा सुधारने का अथक प्रयास किया।

गहन चिंतन

कृषि विशेषज्ञ विभु काका ने विदेश में बसने का प्रलोभन ठुकराकर स्वदेश में बसने का निर्णय लिया, यदि मैं भी उनकी जगह होता तो मैं विभु काका की तरह देश की माटी से प्रेम करता हुआ तन-मन-धन से अपनी माटी, अपना देश का सर्वांगीण विकास करता।

2. क्रॉस करिकुलर लर्निंग

छात्रों के हित को ध्यान में रखकर वेतन को भी बढ़ाया जाना चाहिए ताकि युवा अधिक वेतन की चाहत में विदेशों की ओर पलायन न करें।

3. रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ इस विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।

4. चित्र वर्णन

छात्र/छात्राएँ स्वयं चित्र वर्णन करें।

6. पुनः नया निर्माण करो!

पाठ से

1. मौखिक

(क) कवि नवयुवकों को नवनिर्माण करने को कह रहा है।

(ख) जन-जन के जीवन में नवप्राण भरने से कवि का तात्पर्य है सबों में नई स्फूर्ति, नई उमंगें, नई तरंगें भरने से है।

(ग) कवि ने नवयुग की नूतन वीणा पक्षियों को कहा है।

(घ) विद्यालय सरस्वती का पावन मंदिर है।

(ङ) सौ-सौ ज्ञान के दीपक जलाकर नवयुग का आह्वान संभव है।

लिखित

(क) प्रकृति का नवनिर्माण कर मुरझाए हुए फूलों को नवमुस्कान से भरा जा सकता है।

(ख) प्रकृति में गाने वाले पक्षियों के नए स्वरों में गाने से नया राग व नवगान भरना संभव है।

(ग) धरती माँ की काया सुनहरी करने से कवि का उद्देश्य है कि पूरी धरती पर जगह-जगह कलियाँ खिली हैं जहाँ फूल मुस्कुरा रहे है।

(घ) नूतन मंगलमय ध्वनियों से जग-उद्यान को गुंजित करना संभव है।

(ङ) कवि इस धरती के सपूतों से नवनिर्माण करने का संदेश दे रहे हैं। उनके अनुसार इस धरती का प्रत्येक पुत्र अपने योगदान से धरती को सुंदर व आराध्य बना सकता है।

2. (क) (अ) (✓) (ख) (स) (✓) (ग) (ब) (✓)

3. (क) सरस्वती के पावन मंदिर से नवयुवकों को ज्ञान की प्राप्ति होती है, इसलिए इसे नवयुवकों की संपत्ति कहा गया है।

(ख) कवि सरस्वती के पावन मंदिर अर्थात विद्यालय की पूजा व रक्षा करने की बात कर रहा है।

(ग) नवयुग के आह्वान से कवि का तात्पर्य धरती के नवनिर्माण से है।

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में रक्षक और पुजारी देश के नवयुवकों को कहा गया है।

4. (क) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि प्रकृति का नवनिर्माण कर धरती पर खिले फूलों में नई मुस्कान भरना संभव है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पक्षियों द्वारा गाए जाने वाले गीतों से नया राग, नवगान भरा जा सकता है, प्रकृति का फिर से निर्माण करके।

(ग) प्रस्तुत पंक्तियों के द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि प्रकृति का नवनिर्माण करके नूतन मंगलमय ध्वनियों से जग (संसाररूपी) उद्यान को गुंजित किया जा सकता है।

भाषा से

1. पावन (पवित्र)–भारतवर्ष ऋषि-मुनियों की पावन भूमि रही है।

संपत्ति (धन)–रमेश के पिता के पास अपार संपत्ति है।

पुजारी (पूजा करने वाला)–पुजारी मंदिर में पूजा कर रहा है।

दीप (दीपक)–दीवाली पर दीप जलाए जाते हैं।

2.	धरा	–	भूमि	प्रांत	–	राज्य
	सुमन	–	पुष्प	विहग	–	खग
	नूतन	–	नया	जग	–	संसार
	उद्यान	–	उपवन	पावन	–	पवित्र
3.	निरमाण	–	निर्माण	स्फूर्ति	–	स्फूर्ति
	ज्योती	–	ज्योति	तरंगे	–	तरंगें
	सूमन	–	सुमन	मूस्कान	–	मुस्कान
	नुतन	–	नूतन	विणा	–	वीणा

4. (क) आप पाठ पूरा करवाइए, मैं पढ़ लूँगा।
   (ख) आप पानी भरकर रखिए, मैं पी लूँगा।
   (ग) तुम कक्षा कार्य पूरा कर लो, मैं देख लूँगा।
   (घ) आप अलमारी से कपड़े निकाल दीजिए, मैं चुन लूँगा।
   (ङ) तुम स्नानघर में पानी रख दो, मैं नहा लूँगा।

5. (क) लालची (ख) लोभी
   (ग) स्वार्थी (घ) अन्यायी

6. (क) (स) (✓) (ख) (स) (✓)
   (ग) (ब) (✓) (घ) (द) (✓)

7. गंभीरता गंदा बुराई पशुता उदारता

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

'पुनः नया निर्माण करो!' से कवि का आशय है कि– जन-जन के जीवन के प्रत्येक क्षेत्रों में नवीनता का सृजन करने से है।

गहन चिंतन

स्वतंत्रता प्राप्ति के दौर में लिखी गई कविता– 'पुनः नया निर्माण करो!' में 'युग-युग के मुरझाए सुमनों में, नई-नई मुस्कान भरो' इसलिए कहा है क्योंकि देश के नवयुवकों में उत्साह एवं चेतना लाने की जरूरत है जिससे वे कुछ जन-जीवन में कुछ नया कर सके।

2. समस्या-समाधान

(क) कवि ने 'सरस्वती का पावन मंदिर' अर्थात शिक्षा का एकमात्र केंद्र विभिन्न विद्यालयों की तथा उसमें शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ही देश की संपत्ति कहा है।

(ख) कविता में ज्ञान के शत-शत दीपक जलाने की बात इसलिए की गई है क्योंकि जो समाज से अशिक्षित है या जो शिक्षा का लाभ पाने से वंचित हो गए है उन्हें शिक्षा देकर शिक्षित करने से है।

3. अनुभव आधारित अधिगम

परियोजना-कार्य

छात्र/छात्राएँ स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत की प्रगति के मुख्य तथ्यों को एक चार्ट पेपर पर चिपकाइए।

7. लोकगीत

पाठ से

1. मौखिक

(क) लोकगीत अपनी लोच, ताज़गी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं। लोकगीत सीधे जनता के संगीत हैं, घर, गाँव और नगर की जनता के गीत हैं। इनके लिए साधन की ज़रूरत नहीं होती। त्योहारों और विशेष अवसरों पर ये गाए जाते हैं। ये गीत बाजों की मदद के बिना ही या साधारण ढोलक, झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाए जाते हैं।

(ख) लोकगीतों का एक प्रकार बड़ा ही ओजस्वी और सजीव है। यह इस देश के कई आदिवासियों का संगीत है। मध्य प्रदेश, दक्कन, छोटानागपुर में गोंड-खोंड, उराँव-मुंडा, भील-संथाल आदि फैले हुए हैं, जिनमें आज भी जीवन नियमों की जकड़ में न बँध सका और निर्द्वंद्व लहराता है।

(ग) सभी लोकगीत गाँवों और देहाती इलाकों की बोलियों में गाए जाते हैं। राग तो इन गीतों के आकर्षक होते ही हैं, इनकी समझी जा सकने वाली भाषा भी इनकी सफलता का कारण है।

(घ) आल्हा बुंदेलखंड क्षेत्र में गाए जाते हैं। इसका आरंभ चंदेल राजाओं के राजकवि जगनिक से माना जाता है।

(ङ) त्योहारों पर नदियों में नहाते समय, नहाने जाते हुए राह के गीत, विवाह के गीत, मटकोड़, ज्यौनार के, संबंधियों के लिए प्रेमयुक्त गाली, जन्म आदि सभी अवसरों के अलग-अलग गीत स्त्रियाँ गाती हैं।

(च) नारियों के गाने साधारणतः अकेले नहीं गाए जाते, दल बाँध कर गाए जाते हैं। अनेक कंठ एक साथ फूटते हैं।

लिखित

(क) लोकगीतों के संबंध में लोगों की धारणा में हाल ही में साहित्य और कला के क्षेत्र में परिवर्तन हुआ है। अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह अब तक प्रकाशित हो गए हैं।

(ख) गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं। उनका अलग नाम ही 'पहाड़ी' पड़ गया है।

(ग) वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में है। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और

भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। पंजाब में माहिया आदि उसी प्रकार के हैं। हीर-राँझा, सोहनी-महिवाल संबंधी गीत पंजाबी में और ढोला-मारू आदि के गीत राजस्थानी में गाए जाते हैं।

(घ) भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों से 'बिदेसिया' का प्रचार हुआ है।

(ङ) महाकवि कालिदास ने अपने ग्रंथों में स्त्रियों के गीतों का हवाला दिया है। साहेर, बानी, सेहरा आदि उनके अनंत गानों में से कुछ हैं।

(च) गरबा गुजरात का दलीय गायन है, जिसे विशेष विधि से घेरे में घूम-घूमकर औरतें गाती है। साथ ही लड़कियाँ भी बजाती हैं, जो बाजे का काम करती हैं। इसमें नाच-गान साथ चलते हैं।

2. (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

बहुविकल्पीय प्रश्न

3. (क) (ब) (✓) (ख) (द) (✓)
(ग) (अ) (✓) (घ) (ब) (✓)
(ङ) (स) (✓) (च) (ब) (✓)

भाषा से

1.

स्त्रियाँ	–	स्त्री	पहाड़ी	–	पहाड़ियाँ
विधियाँ	–	विधि	ऋतु	–	ऋतुएँ
दिशाएँ	–	दिशा	लकड़ी	–	लकड़ियाँ
नदियाँ	–	नदी	औरत	–	औरतें
दीवार	–	दिवारें			

2. (क) लोकप्रिय (ख) शास्त्रीय
(ग) परदेशी (घ) बारहमासा
(ङ) राजकवि

3. **विशेषण** **विशेष्य**

(ख) भोजपुरी बिदेसिया

(ग) लोकगीतों कई

(घ) वास्तविक लोकगीत

(ङ) परदेशी प्रेमी

4. लोकप्रिय – लता मंगेशकर लोकप्रिय गायिका हैं।

लोकगीत – लोकगीत जनता के संगीत हैं।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

लोकगीतों के रचयिता कोरी कल्पना को इतना मान न देकर अपने गीतों के विषय रोज़मर्रा के बहते जीवन से लेते हैं, जिससे वे सीधे मर्म को छू लेते हैं। उनके राग भी साधारणतः पीलू, सारंग, दुर्गा, सावन, सोरठ आदि है। कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि गीत देहात में बहुत गाए जाते हैं और बड़ी भीड़ आकर्षित करते हैं।

गहन चिंतन

एक समय था जब शास्त्रीय संगीत के सामने इनको हेय समझा जाता था। अभी हाल तक इनकी बड़ी अपेक्षा की जाती थी। पर इधर साधारण जनता की ओर जो लोगों की नजर फिरी है तो साहित्य और कला के क्षेत्र में भी परिवर्तन हुआ है। अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह अब तक प्रकाशित हो गए है।

2. विषय संवर्धन

वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में है। इनका संबंध देहात की जनता से है। बड़ी जान होती है इनमें। चेता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और मतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। पंजाब में माहिया आदि इसी प्रकार के है। हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल संबंधी गीत पंजाबी में और ढोला-मारू आदि के गीत राजस्थानी में बड़े चाव से गाए जाते हैं।

3. अनुभव आधारित अधिगम

रचनात्मकता

(क) पहरवा (ख) कजरी (ग) बाउल

(घ) बिरहा (ङ) बिदेसिया (च) सोरठ

4. चित्र वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को देखकर 40-45 शब्दों में वर्णन कीजिए।

8. देशभक्त पुरु

पाठ से

1. मौखिक

(क) सैनिक ने राजा पुरु को समाचार दिया कि यूनानी सेना सिंधु पार कर चुकी है। वह तेज़ी से हमारी ओर बढ़ रही है। यह भी समाचार है कि तक्षशिला के राजा आंभी सिकंदर से जा मिले हैं।

(ख) सिकंदर दुनिया जीतने के लिए यूनान से निकला था। उसने अपना दूत राजा पुरु के पास भेजा।

(ग) यूनानी सेना का शिविर झेलम नदी के किनारे लगा हुआ था। यूनानी सेना के सैनिक झेलम नदी में पानी बढ़ने से डरे हुए थे।

(घ) सिकंदर के सैनिकों ने पुरु पर रात के अँधेरे में हमला किया। युद्ध में राजा पुरु की हार हुई।

(ङ) सिकंदर ने आंभी को राजा पुरु का अपमान करने के लिए प्रताड़ित किया।

लिखित

(क) आंभी तक्षशिला का राजा था। वह सिकंदर से जा मिला था।

(ख) सिकंदर के दूत ने राजा पुरु को संदेश देते हुए कहा कि–सम्राट सिकंदर निर्दोष जनता का खून बहाना नहीं चाहते। उनकी इच्छा है कि आप भी राजा आंभी की तरह उनसे सुलह कर लें। इस तरह लड़ाई भी नहीं होगी और आपकी गद्दी भी बच जाएगी।

(ग) राजा पुरु की सबसे बड़ी ताकत हाथियों की बड़ी फौज थी। वह ताकत उनके काम इसलिए नहीं आई क्योंकि वर्षा होने के कारण दलदल और गीली ज़मीन में हाथियों के पैर नहीं टिक पाए।

(घ) आंभी ने राजा पुरु को हराने के लिए सिकंदर को बताया कि दलदल और गीली ज़मीन में हाथियों के पैर नहीं टिक पाते।

(ङ) सिकंदर ने कैदी के रूप में अपने सामने लाए गए राजा पुरु से कहा कि युद्ध, युद्ध है। वहाँ न्याय और धोखा नहीं देखा जाता। हम आपकी बहादुरी की तारीफ करते हैं। मैंने अँधेरी रात में आपकी चमकती हुई तलवार देखी थी। अब आप हमारे कैदी हैं। बताइए, आपके साथ कैसा व्यवहार किया जाए? इस पर राजा पुरु ने कहा–वैसा ही, जैसा एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।

(च) सिकंदर राजा पुरु का ज़वाब सुनकर बहुत खुश हुआ। उसने राजा पुरु को कैद से आज़ाद कर दिया और उनका राज्य भी वापस कर दिया। आंभी ने सिकंदर के इस निर्णय का विरोध इसलिए किया क्योंकि सिकंदर ने आंभी से यह वादा किया था कि राजा पुरु से जीता हुआ राज्य वह उसे देगा।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (अ) (✓)

(ग) (द) (✓) (घ) (ब) (✓)

(ङ) (अ) (✓)

3. (क) दूत ने राजा पुरु से कहा।

(ख) सिकंदर ने दूत से कहा।

(ग) सिकंदर ने आंभी से कहा।

(घ) आंभी ने सिकंदर से कहा।

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. सुलह – समझौता फौज – सेना

इंतज़ार – प्रतीक्षा खून – रक्त

नाराज़ – अप्रसन्न ज़रूर – आवश्यक

2. युद्ध – शांति निर्दोष – दोषी

वरदान – अभिशाप समय – असमय

हार – जीत विजय – पराजय

गहरी – उभरी वीरता – कायरता

गद्दार – देशभक्त

3. 1. संदिग्ध वर्तमान काल 2. संदिग्ध वर्तमान काल

3. अपूर्ण वर्तमान काल 4. सामान्य वर्तमान काल

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

पछतावा तो कायर किया करते हैं। हम वीर हैं, कायर नहीं। सिकंदर के इस कथन से मैं सहमत हूँ। क्योंकि वीर कायर नहीं होते और न ही किसी भी किए गए कामों का पछतावा किया करते हैं।

गहन चिंतन

सिकंदर ने अपने सभी सिपाहियों की तारीफ इसलिए की होगी क्योंकि उसके सैनिक उसके विश्व विजय अभियान में शुरू से अंत तक उसके साथ ही साथ लगे रहे।

2. विषय संवर्धन

"सिकंदर को भारत आने पर पंजाब से ही लौटना पड़ा।" छात्र/छात्राएँ ऐतिहासिक तथ्यों की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त कर उत्तर लिखें।

3. संचार

छात्र/छात्राएँ कक्षा में "देशों के बीच युद्ध हो ही ना" इस विषय पर सामूहिक परिचर्चा करें।

4. रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

9. मेरी अंतिम अभिलाषा

पाठ से

1. मौखिक

(क) इलाहाबाद में

(ख) जवाहरलाल नेहरू

(ग) नेहरू जी की अभिलाषा थी कि उनकी भस्म भारत की धूल और मिट्टी में मिलकर भारत का अंग बने।

लिखित

(क) भारतीय जनता से मिले प्यार के बारे में नेहरू जी ने कहा था कि भारतीय जनता से मुझे इतना प्रेम और स्नेह मिला है कि मैं चाहे जो कुछ भी करूँ, उसके अल्पांश का भी बदला नहीं चुका सकता और सच तो यह है कि प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया भी नहीं जा सकता।

(ख) प्रयाग की गंगा में भस्म विसर्जित करने की इच्छा का नेहरू जी की दृष्टि में कोई धार्मिक महत्त्व नहीं था। बचपन से ही इलाहाबाद की गंगा और यमुना नदियों से उनका ममत्व रहा और ज्यों-ज्यों वे बड़े हुए, यह ममत्व बढ़ता ही गया।

(ग) नेहरू जी ने भारत को प्राचीन परंपराओं से अलग करने की बात इसलिए कहा क्योंकि ये परंपराएँ भारत को आगे नहीं बढ़ने देते हैं। ये परंपराएँ लोगों में फूट डालते हैं और अधिकांश को दबाए रखते हैं।

(घ) नेहरू जी यह मानते थे कि गंगा युगों पुरानी भारतीय संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक रही है जो अनादिकाल से बहती हुई, बदलती चली जा रही है, फिर भी बनी हुई है वही गंगा की गंगा।

(ङ) नेहरू जी की अंतिम इच्छा थी कि मरने के बाद उनका दाह-संस्कार कर दिया जाए। यदि विदेश में उनकी मृत्यु हो तो दाह-कर्म वहीं कर दिया जाए और मेरी भस्म प्रयाग भेज दी जाए। उसकी एक मुट्ठी गंगा में प्रवाहित कर दी जाए। भस्म का कुछ भी भाग न तो बचाया जाए और न ही सुरक्षित रखा जाए।

2. (क) (द) (✓) (ख) (स) (✓)

(ग) (ब) (✓)

3. (क) उसकी एक मुट्ठी गंगा में <u>प्रवाहित</u> कर दी जाए।

(ख) <u>लोगों की</u> उस पर अपार <u>श्रद्धा</u> है।

(ग) वह मुझे नीचे के <u>उर्वर</u> और विस्तृत मैदानों की भी याद दिलाती रही है।

(घ) उस <u>शृंखला</u> को मैं कभी तोड़ना नहीं चाहूँगा।

(ङ) जहाँ <u>भारत</u> के किसान मेहनत करते हैं।

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1.

शब्द		**मूल शब्द**	**प्रत्यय**
इज़्ज़तदार	–	इज़्ज़त	दार

मोरनी	–	मोर	नी
कृपालु	–	कृपा	आलू
पहाड़ी	–	पहाड़	ड़ी
आदमखोर	–	आदम	खोर
लेखिका	–	लेख	इका
डरावना	–	डर	ना
ख़तरनाक	–	खतरा	नाक
गुणवान	–	गुण	वान

2. (क) बहुरूपी (ख) सहपाठी
(ग) मनमौजी (घ) रेगिस्तान
(ङ) कंजूस

3.

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
लड़का	लड़के	गधा	गधे
लड़की	लड़कियाँ	स्त्री	स्त्रियाँ
गाय	गाएँ	खिड़की	खिड़कियाँ
ताला	ताले	कविता	कविताएँ

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

'प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया भी नहीं जा सकता।' यह कथन शत-प्रतिशत अक्षरशः सही है। प्रेम अनमोल वस्तु है उसको न तो पैसे से नहीं वजन से तौला जा सकता है।

गहन चिंतन

लेखक नेहरू जी ने अधिकांश पुरानी परंपराओं और रस्मों को छोड़ दिया। यह दर्शाता है कि भारत उन बंधनों से अपने को मुक्त कर ले जो उसे जकड़े हुए है और जो उसे आगे बढ़ने नहीं देते, जो लोगों में फूट डालते और अधिकांश को दबाए रखते हैं।

2. भारत का ज्ञान

छात्र/छात्राएँ इंटरनेट की सहायता से भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की उनके कार्यकाल सहित एक सूची तैयार करें।

3. अनुभव आधारित अधिगम

रचनात्मकता

(क) गोदावरी (ख) ब्रह्मपुत्र (ग) दामन

(घ) सतलुज (ङ) बराक

10. संत कवि तिरुवल्लुवर

पाठ से

1. मौखिक

(क) तिरुवल्लुवर के पिता का नाम भगवन और माता का नाम आदि था। उन्होंने सदा घूमते रहने का व्रत लिया था।

(ख) तमिल भाषा में 'तिरु' आदरसूचक शब्द है, जो हिंदी के 'श्री' के समान है। इस प्रकार तिरुवल्लुवर का आशय-श्री वल्लुवर है।

(ग) तिरुवल्लुवर का मन तपस्या में इसलिए नहीं लगा क्योंकि उन्होंने सोचा कि संसार की सेवा करने के लिए हमें संसार के लोगों के बीच रहना चाहिए। ऐसा सोचकर वे जंगल छोड़कर नगर में आ गए और घूमते-घूमते एक धनवान व्यक्ति के घर पहुँचे। उस धनवान व्यक्ति की कन्या से ही उन्होंने विवाह किया।

(घ) तिरुवल्लुवर का विवाह मार्गसहाय की कन्या वासुकी से हुआ। विवाह के बाद वे अपने गाँव मयलापुर आकर रहने लगे।

(ङ) अपनी पत्नी वासुकी की मृत्यु के बाद तिरुवल्लुवर संसार से विरक्त हो गए। पत्नी के वियोग से उनकी कवित्व शक्ति और अधिक मार्मिक हो गई।

(च) तिरुवल्लुवर को तमिल भाषा का वेद माना जाता है। इसका अनुवाद हिंदी, उर्दू, संस्कृत, तेलुगु, मलयालम, मराठी आदि भारतीय भाषाओं में और अंग्रेजी, रूसी, फ्रेंच, जर्मन, सिंहली आदि विदेशी भाषाओं में हुआ है।

लिखित

(क) उत्तर भारत के महान संत कवि कबीर और दक्षिण भारत के संत कवि तिरुवल्लुवर में अद्‌भुत साम्य है। इन दोनों के माता-पिता ने इन्हें जन्म देकर कहीं छोड़ दिया और फिर निस्संतान दंपतियों ने इनका लालन-पालन बड़े स्नेह और यत्न से किया था। व्यवसाय से भी दोनों जुलाहे ही थे। दोनों ने गृहस्थ जीवन व्यतीत करते हुए सात्विक जीवन की साधना की थी। इतना ही नहीं, दोनों के जीवन की अनेक अलौकिक घटनाएँ भी समान थीं।

(ख) तिरुवल्लुवर के पिता जाति से ब्राह्मण थे और उनकी माता अछूत जाति से थीं। किसी कारण से उनके पिता ने सदा घूमने का व्रत ले लिया था और इसलिए वे अपनी पत्नी के साथ सदा घूमते रहने का व्रत ले लिया था और इसलिए वे अपनी पत्नी के साथ सदा घूमते रहते थे। उनके माता-पिता अपने शिशुओं को जन्म देते ही छोड़कर चल देते थे। तिरुवल्लुवर को भी उन्होंने पैदा होते ही छोड़ दिया था, फिर उनका लालन-पालन एक जुलाहा दंपत्ति ने किया।

(ग) तिरुवल्लुवर जब बड़े हुए तो उन्हें अपने जन्म की कहानी ज्ञात हुई। इससे उनमें वैराग्य भाव जागा। अपने धर्मपिता और धर्ममाता से अनुमति लेकर उस समय की परंपरा के अनुसार वे तपस्या करने के लिए घनघोर जंगल में चले गए। उन्होंने वन में तपस्वियों की देखरेख में ध्यान और योग का कठिन अभ्यास किया और तंत्र-मंत्र की सिद्‌धियाँ भी प्राप्त कीं। लेकिन थोड़े ही दिनों में इन सबसे उनका जी उचट गया।

(घ) तिरुवल्लुवर दंपत्ति का एक-दूसरे के प्रति प्रेम, निष्ठा और सहयोग भाव के साथ-साथ ईश्वर-भक्ति में अनुरक्ति देखकर संन्यासी के मन में नारी जाति के प्रति दुर्भावना जाती रही। संन्यासी ने कहा कि यदि वासुकी जैसी पत्नी हो तो गृहस्थ जीवन ही श्रेष्ठ है।

(ङ) कुरल छंद आकार की दृष्टि से तमिल भाषा का सबसे छोटा छंद है, जिसमें एक पूरा भाव पिरोया रहता है। यह लगभग पौने दो पंक्तियों का होता है यानी आकार में दोहे से भी छोटा। तिरुवल्लुवर तीन खंडों में विभक्त है—धर्म खंड, अर्थ खंड और काम खंड।

(च) तिरुवल्लुवर महान संत और कवि थे। इन्होंने नानक और कबीर की भाँति गृहस्थ और व्यस्त जीवन व्यतीत करते हुए भक्ति की और मानव जाति को प्रेम तथा परोपकार का संदेश दिया।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (द) (✓) (ग) (अ) (✓)
(घ) (ब) (✓) (ङ) (स) (✓)

3. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓)
(घ) (✗) (ङ) (✓) (च) (✓)

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. (क) निस्संतान (ख) नवजात (ग) संन्यासी
(घ) विदुषी (ङ) संकलित

2.

शब्द	**समास-विग्रह**
लालन पालन	लालन और पालन
तंत्र-मंत्र	तंत्र और मंत्र
इधर-उधर	इधर और उधर
रूप-गुण	रूप और गुण
ईश्वर-भक्ति	ईश्वर की भक्ति

3. प्रयत्न रत्न पत्नी

व्यवसाय व्यय व्यतीत

समस्या

4. त्व – महत्व सात्विक मातृत्व

इत – संकलित प्रभावित संग्रहित

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

'अन्न ही ईश्वर है।'

अन्न ही ईश्वर है, अन्न ही जीवन है। अन्न भगवान द्वारा दिया गया प्रसाद है। अन्न को ईश्वर के समान माना गया है। अग्नि द्वारा पकाए गए अन्न पर सबसे पहले अधिकार अग्नि का ही होता है। कभी भी अन्न का अनादर न होने दे। कहा गया है भोजन भगवान द्वारा दिया गया प्रसाद है एक अन्न के दाने भर से किसी को भी जीवनदान दिया जा सकता है।

गहन चिंतन

सभी आश्रमों में गृहस्थ जीवन श्रेष्ठ माना गया है। उसके जैसा कोई आश्रम नहीं है। यह आश्रम गृहस्थ को धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारों पुरुषार्थों का फल प्राप्त करता है। गृहस्थ जीवन में रहकर भी भगवान का सानिन्ध्य प्राप्त किया जा सकता है।

2. अनुभव आधारित अधिगम

रचनात्मकता

(1) सूरदास (2) रैदास (3) कबीरदास

(4) तुलसीदास (5) रामदास

3. कला समेकन गतिविधि

चित्र-वर्णन

छात्र/छात्राएँ चित्र को देखकर 40-45 शब्दों में चित्र-वर्णन करें।

11. मतलब की दुनिया

पाठ से

1. मौखिक

(क) नारायण (ख) बुद्धू

(ग) किसान ने बेटे के दोस्तों के पास जाकर कहा–"बेटे, तुम लोग मेरे बेटे के प्राण-प्रिय मित्र हो। मेरे लड़के ने आज सुबह गुस्से में आकर एक आदमी को लाठी से मार डाला है। अब इसे तुम लोगों को बचाना होगा।"

(घ) नारायण के दोस्त ने मुसीबत भाँपकर उसका साथ देने से मना कर दिया और सभी दोस्त कोई-न-कोई बहाना बनाकर खिसक गए।

(ङ) किसान ने अपने पुत्र के दोस्तों की परीक्षा यह कह कर ली कि उनके लड़के ने आज सुबह गुस्से में आकर एक आदमी को लाठी से मार डाला है। अब इसे तुम लोगों को बचाना होगा।

लिखित

(क) नारायण पढ़ाई में बुद्धू था। वह हमेशा दोस्तों के घर जाकर खेला करता था। माँ-बाप उसे डाँटा करते फिर भी वह सुधरने का नाम न लेता था।

(ख) किसान के समझाने पर नारायण ने उत्तर दिया–"बाबू जी! आपके सिर्फ दो ही दोस्त हैं, मेरे तो पचास-साठ दोस्त हैं। ज़रूरत पड़ने पर वे सब मेरे वास्ते जान तक देने को तैयार हैं।"

(ग) नारायण के मित्रों की परीक्षा लेने के लिए किसान अपने बेटे को साथ लेकर उसके दोस्तों के पास गए और उनसे बोले–"बेटे, तुम लोग मेरे बेटे के प्राण-प्रिय मित्र हो। मेरे लड़के ने आज सुबह

गुस्से में आकर एक आदमी को लाठी से मार डाला है। अब इसे तुम लोगों को बचाना होगा।"

(घ) नारायण को मुसीबत में फँसा हुआ समझकर उसके मित्रों ने उसे मित्र मानने से मना कर दिया।

(ङ) किसान के मित्रों को सच्चा दोस्त इसलिए कहा जा सकता है क्योंकि वे मुसीबत के वक्त नारायण की मदद करने के लिए तैयार थे।

2. (क) (अ) (✓) (ख) (ब) (✓)

3. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. (क) नारायण बड़े लाड़-प्यार से पाला गया, लेकिन पढ़ाई में बुद्धू निकला।

(ख) कुछ लड़कों ने कहा–"अजी, हम आपके लड़के को जानते ही नहीं।"

(ग) अगर मैं इस आफत के वक्त तुम्हारी मदद न करूँ तो हमारी दोस्ती का मतलब ही क्या रहा?

(घ) उस मित्र ने नारायण के पिता को गले लगाकर हिम्मत बँधाते हुए कहा–"मेरे दोस्त! तुम्हें डरने की कोई बात नहीं।"

(ङ) अपने पिता की बातें सुनकर नारायण गुस्से में आ गया और बोला–"बाबू जी! आपके सिर्फ दो ही दोस्त हैं, मेरे पचास-साठ दोस्त हैं। ज़रूरत पड़ने पर वे सब मेरे वास्ते जान देने को तैयार हैं।"

2. (क) (अ) (✓) (ख) (द) (✓)

(ग) (अ) (✓) (घ) (ब) (✓)

(ङ) (अ) (✓) (च) (ब) (✓)

3. नराज – नाराज प्रनाम – प्रणाम

लढ़ाई – लड़ाई पड़ाई – पढ़ाई

प्रमात्मा	–	परमात्मा	समाजिक	–	सामाजिक
कृया	–	क्रिया	बीवी	–	बीबी

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

किसी व्यक्ति के बातों से प्रभावित होकर हम उसे अपना मित्र नहीं बना सकते। किशोरावस्था में सभी को अनेक मित्र बनाने अच्छे लगते हैं लेकिन बहुत से मित्रों के स्थान एक या दो मित्र बनाने अच्छे होते हैं जो सच्चे मित्र नहीं होते वे सिर्फ मित्र बनने का दिखावा करते हैं। वे अपना मतलब निकालकर एक ओर हो जाते हैं।

गहन चिंतन

संकट के समय नारायण के मित्रों ने उसका साथ इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसके वे सारे मित्र सच्चे मित्र नहीं थे। वे केवल उसके खाने-पीने तथा उसके साथ मौज करने तक के ही केवल साथी थे। वे उसके ऐसे मित्र थे जो उसके कठिन घड़ी में सच्ची मित्रता फर्ज निभाते इसलिए उसके सभी साथियों ने उसका साथ छोड़ दिया।

2. अनुभव आधारित अधिगम

रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ 'सच्चा मित्र' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।

3. कला समेकन

चित्र-वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर उसके बारे में 4-5 वाक्य लिखे।

12. पहरुए, सावधान रहना!

पाठ से

1. मौखिक

(क) कवि देश के शत्रुओं से सावधान रहने को कह रहा है।

(ख) जन-मंथन से रत्नों की हिलोर हासिल हुआ।

(ग) विषम शृंखलाएँ टूट गई हैं।

(घ) कवि चंद्रमा को दीप्तिमान रहने को कह रहा है।

(ङ) जन-गंगा से कवि का तात्पर्य लोगों के मन से है।

लिखित

(क) कवि सावधान रहने के लिए इसलिए कह रहा है क्योंकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद शत्रुओं का डर और भी अधिक बढ़ जाता है।

(ख) समस्त दिशाएँ खुलने से कवि का तात्पर्य देश की सभी सीमाओं के खुले होने से है।

(ग) हवाएँ, सीमाएँ व प्रतिमाएँ इन शब्दों द्वारा कवि ने क्रमशः हवाओं को युग बंदिनी, सीमाओं को सिमटी तथा प्रतिमाओं को टूटा हुआ कहा है।

(घ) तूफान में भी अपनी चमक और रोशनी बनाए रखकर दीप्तिमान रहा जा सकता है।

(ङ) कवि शत्रुओं की छायाओं का डर इसलिए बता रहा है क्योंकि उनके आक्रमण करने का डर हमेशा बना हुआ है।

(च) शत्रुओं के छायाओं का डर है, शोषण से मृत समाज है और हमारा घर कमज़ोर है। इन परिस्थितियों में भी कवि का विश्वास अमर है क्योंकि नई ज़िंदगी की शुरुआत होने वाली है।

2. (क) (अ) (✓) (ख) (अ) (✓)

(ग) (ब) (✓)

3. (क) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि यह कहना चाह रहा है कि देश की सीमाएँ सिमटी हुई हैं जो आज प्रश्न-चिह्न बनकर खड़ी हो गई हैं। देश में जो पुरानी परंपराएँ चल रही थीं, वे अब टूट रही हैं।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि ने अपने देश की परिस्थितियों का वर्णन किया है। हमारे देश में समाज शोषित होने के कारण मृतप्राय है। परंतु कवि को यह विश्वास है कि नई ज़िंदगी की शुरुआत होगी।

4. (क) प्रथम चरण मंजिल का छोर है क्योंकि पहले चरण से ही इसकी शुरुआत होती है।

(ख) जीवन मुक्ता-डोर का अभी पूरा होना शेष इसलिए है क्योंकि अभी दुख की पिछली घड़ियाँ मिट नहीं पाई हैं।

(ग) युग की पतवार को लेकर कवि समुद्र के समान महान बने रहने के लिए कह रहा है।

(घ) कविता के संदर्भ में 'पहरुए' शब्द का अर्थ पहरेदार से है।

भाषा से

3.

हिंदु	–	हिंदुत्व	मूर्ख	–	मूर्खता
निज	–	निजता	सुंदर	–	सुंदरता
पशु	–	पशुता	उदार	–	उदारता
व्यक्ति	–	व्यक्तित्व	हीन	–	हीनता
स्व	–	स्वत्व	सभ्य	–	सभ्यता

4.

स्त्र	–	स्त्री	वस्त्र	शस्त्र
द्व	–	द्वार	द्वितीय	द्वंद्व
द्य	–	विद्यालय	उद्यान	उद्योग
क्त	–	वक्ता	मुक्ता	नुक्ता

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

कविता में कवि ने शत्रुओं द्वारा किए गए शोषण की बात की है।

गहन चिंतन

स्वतंत्रता प्राप्त करने के पश्चात देश की सुरक्षा के प्रति सावधान रहने की इसलिए आवश्यकता है क्योंकि कुछ असामाजिक तथा आतंकवादी देश की शांति, स्थिरता तथा सुकुन को अपनी विभिन्न गतिविधियों के द्वारा भंग कर देश के नागरिकों में डर, आतंक और असुरक्षा की भावना उत्पन्न करना चाहते हैं और वो ऐसा करके अपने मंसूबे को पूरा करना चाहते है लेकिन भारतीय सैनिकों तथा खुफिया तंत्रों की वजह से उनके मंसूबों पर पानी फैल जाता है।

2. संचार

छात्र/छात्राएँ भारतीय एकता के बाधक तत्वों पर सामूहिक चर्चा करें।

3. विषय-संवर्धन

छात्र/छात्राएँ गिरिजा कुमार माथुर की अन्य रचनाएँ पुस्तकालय अथवा इंटरनेट से खोजकर पढ़ें।

4. अंतर अनुशासनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ 'ब्रिटिश साम्राज्य के विनाश के कारण' इंटरनेट से खोजकर बताएँ।

5. शोधपरक कौशल

देश का द्वार क्या आज भी खुला है? –छात्र/छात्राएँ इसका स्वयं उत्तर दें।

13. ओणम

पाठ से

1. मौखिक

(क) सावन के महीने में

(ख) ओणम का पर्व आने से रमन कुट्टी और कांचनम प्रसन्न हैं।

(ग) सुमीता मौसी ने सागर और साहिल को महाबली की कथा सुनाई।

(घ) स्वर्ग के राजा इंद्र इसलिए चिंतित हुए क्योंकि यदि राजा बली का यज्ञ सफल हो गया तो वे स्वर्ग के राजा भी बन सकते हैं।

(ङ) विष्णु ने महाबली से तीन पग भूमि माँगा।

(च) महाबली पाताल लोक में चले गए।

(छ) परशुराम ने फरसा समुद्र में फेंका।

(ज) रंगोली रंग-बिरंगे फूलों से घरों के दरवाजे पर बनाई जाती है।

लिखित

(क) ओणम के अवसर पर पूरे केरल में दस दिन तक त्योहार की धूम रहती है। लोग घरों की सजावट करते हैं। लिपाई-पुताई, सफेदी और रंग-रोगन से घरों को नया रूप दिया जाता है। ओणम फूलों का पर्व है। घर-घर फूलों से सज जाते हैं। बालिकाएँ, युवतियाँ और महिलाएँ रंग-बिरंगे फूलों से रंगोली सजाती हैं। घरों के आगे भाँति-भाँति की आकृतियाँ और नमूने बनाए जाते हैं। ओणम के दसवें दिन केरलवासी उत्साह और उल्लास में डूबकर प्रातः से ही नए वस्त्र पहनकर पूजा-पाठ आदि में व्यस्त हो जाते हैं। ओणम के प्रमुख आकर्षणों में नौका प्रतियोगिता होती है, नौकाओं को सजाया जाता है। सागर-तट पर खड़े दर्शक तालियाँ बजा-बजाकर नाविकों का उत्साह बढ़ाते हैं। स्थान-स्थान पर सांस्कृतिक आयोजन किए जाते हैं। महाबली के आगमन के अवसर पर सारा केरल ऐसे सज जाता है, मानो धरती पर स्वर्ग का सौंदर्य बिखर गया हो।

(ख) रमन कुट्टी के परिवार की प्रसन्नता का कारण यह था कि सावन आ गया था और ओणम का पर्व भी नजदीक ही था। वर्षा भी

कम हो चुकी थी और इस वर्ष गरमी में उन्होंने खेतों में खूब मेहनत करके अच्छी फसल उपजाई।

(ग) महाबली प्राचीन समय में केरल के राजा थे। महाबली अपनी जनता के सुख-दुख का पूरा ध्यान रखते थे। वे बहुत बड़े दानी थे।

(घ) भगवान विष्णु ने राजा महाबली से यज्ञ में दान के रूप में तीन पग भूमि माँगा। महाबली तैयार हो गए। दो पग भूमि के रूप में उन्होंने धरती और आकाश दिया। तीसरा पग भगवान विष्णु ने महाबली के सिर पर रखा और इस प्रकार उन्हें पाताल लोक भेज दिया।

(ङ) महाबली ने एक दिन पृथ्वी लोक पर आने की इच्छा इसलिए व्यक्ति की क्योंकि वे केरल की प्रजा से बहुत प्रेम करते थे और उनसे मिलना चाहते थे।

(च) परशुराम ने पृथ्वी से अन्याय और अत्याचार मिटाने के लिए क्षत्रिय राजाओं का वध कर दिया। इसके पश्चात उन्होंने यज्ञ किया। यज्ञ पूर्ण हो जाने पर उन्होंने सारी धरती ब्राह्मणों को दान में दे दी। उनके पास रहने का स्थान ही न बचा और तब वे सह्याद्रि पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। क्षत्रियों के रक्त से सने फरसे को पशुराम ने वरुण देवता के वचनानुसार धोकर समुद्र में फेंक दिया। वहाँ जो भूमि निकली, वह भूमि ही केरल प्रदेश है। वहाँ उन्होंने तिरुक्कवर मंदिर बनवाया।

2. (क) (द) (✓) (ख) (द) (✓)

(ग) (स) (✓) (घ) (अ) (✓)

(ङ) (द) (✓) (च) (ब) (✓)

(छ) (स) (✓)

3. (क) महाराजा बली अपनी प्रजा की सुख-दुख का पूरा ध्यान रखते थे। वे बहुत बड़े दानी थे। इस कारण उनका यश चारों ओर उसी तरह फैला हुआ था, जैसे सूर्य का प्रकाश और चंद्रमा की चाँदनी।

(ख) महाबली केरल की प्रजा से बहुत प्रेम करते थे और उनके सुख-दुख का पूरा ध्यान रखते थे। वर्ष में एक बार केरल प्रदेश में उनके आने की खुशी में विशेष सजावट की जाती है, घरों को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया जाता है। घरों के आगे फूलों की रंगोली भी बनाई जाती है। सजावट ऐसी होती है कि धरती पर स्वर्ग का सौंदर्य बिखर-सा जाता है।

4. (क) ओणम का त्योहार दस दिनों तक मनाया जाता है। इस अवसर पर घरों की सजावट की जाती है। लिपाई-पुताई, सफेदी और रंग-रोगन से घरों को नया रूप दिया जाता है। ओणम फूलों का त्योहार है, घर-घर फूलों से सजाए जाते हैं। बालिकाएँ, युवतियाँ और महिलाएँ रंग-बिरंगे फूलों से रंगोली सजाती हैं। घरों के आगे भाँति-भाँति की आकृतियाँ और नमूने बनाए जाते हैं। ओणम के दसवें दिन की धूमधाम अलग ही होती है। उत्साह और उल्लास में डूबे केरलवासी प्रातः से ही नए वस्त्र पहनकर पूजा-पाठ आदि में व्यस्त हो जाते हैं। ओणम के प्रमुख आकर्षणों में नौका प्रतियोगिता होती है। सागर-तट पर खड़े दर्शक तालियाँ बजाकर नाविकों का उत्साह बढ़ाते हैं। स्थान-स्थान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

(ख) ओणम दस दिनों तक मनाया जाता है। इन दिनों की धूमधाम का वर्णन प्र. 4 (क) में दिया गया है।

(ग) ओणम के अवसर पर तुंबिनुल्ल, कैईकुट्टिकलि, कथकली और मोहिनीअट्टम आदि नृत्य किए जाते हैं।

(घ) ओणम के दसवें दिन महाबली की विदाई की जाती है।

(ङ) तुंबिनुल्ल, कैईकुट्टिकलि, ओणत्तल्लु, किलितट्टु और तलपंतुकलि—ये सभी मलयालम शब्द हैं।

भाषा से

1. हानि-लाभ – हानि और लाभ

निर्बल – बल से निर्बल

मांसाहारी – मांस है आहार जिसका

सिरदर्द – सिर में दर्द

2. राजेन्द्र सूर्योदय सदैव प्रत्येक देवर्षि कार्यालय

3. (क) रमन कुट्टी और कांचनम प्रसन्न हैं।

(ख) घर की सजावट से लेकर स्वादिष्ट पकवान बनाना तो कोई सुमीता मौसी से सीखे।

(ग) वे बहुत बड़े दानी थे।

(घ) वे नौ दिन में आएँगे।

(ङ) केरलवासियों ने रंग-बिरंगे वस्त्र पहने थे।

4. प्रसन्न आसन्न गोलगप्पा बड़प्पन

छत्ता पत्ता चक्का मक्का

गद्दा रद्दी

5. (क) रमेश के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है।

(ख) धोबी के द्वारा कपड़े धोए जाते हैं।

(ग) माँ के द्वारा खाना पकाया जाता है।

(घ) राजा के द्वारा कहानियाँ पढ़ी गई।

(ङ) महाबली के द्वारा ब्राह्मणों को दान दिया गया।

6. अगस्त वशिष्ठ नारद गौतम विश्वामित्र अत्रि

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

एक बार महाराजा बली ने यज्ञ किया। यज्ञ सफल हो जाने पर वे चक्रवर्ती सम्राट बन जाते। स्वर्ग के राजा इंद्र को चिंता हो गई कि यदि

राजा बली का यज्ञ सफल हो जाएगा तो वे स्वर्ग के राजा भी बन सकते है। इंद्र ने अपनी चिंता विष्णु को बताई विष्णु ने इंद्र को निश्चित किया। उधर महाबली यज्ञ की सफलता के प्रति पूरे आश्वस्त थे। उनमें अहंकार का भाव भी आ गया था। यज्ञ पूर्ण हुआ तो महाबली ब्राह्मणों को दान देने लगे। विष्णु छोटे कद के बौने ब्राह्मण के रूप में महाबली के समझ आए।

गहन चिंतन

यदि महाराजा बली बौने ब्राह्मण रूपी भगवान विष्णु को पहचान लेते तो वे ब्राह्मण रूपी भगवान विष्णु महाराजा बली से दान स्वरूप तीन पग भूमि प्राप्त न कर पाते।

2. अनुभव आधारित अधिगम

(1) महाराष्ट्र (2) बिहार (3) मणिपुर
(4) त्रिपुरा (5) आंध्र प्रदेश (6) सिक्किम
(7) गोवा

3. कला समेकन

चित्र-वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र का 40-45 शब्दों में वर्णन करें।

14. गुटका टेस्ट मैच

पाठ से

1. मौखिक

(क) सात-आठ बस्ते, एक के ऊपर एक रखकर विकेट बना लिया जाता है। ऐसी भीमकाय विकेट होने पर भी यहाँ किसी को क्लीन बोल्ड से आउट करना कठिन है, क्योंकि बॉल बस्ते से टकराई या नहीं, पर पर बच्चे कभी एकमत नहीं होते।

(ख) जिस बच्चे के पास बल्ला और गेंद है, टीम में उसका स्थान पक्का है। क्योंकि अगर उसे टीम में नहीं रखा तो अगले दिन वह

बैट नहीं लाएगा। इस चक्कर में कुछ अच्छा खेलने वाले बच्चे बाहर रह जाते हैं।

(ग) लेखक का मकान मैदान के दक्षिणी छोर पर है जहाँ वह कॅमेंटेटर की मुद्रा में प्रतिदिन बैठता है।

(घ) कुत्ता पिटते हुए 'मिड ऑन' से 'मिड ऑफ' पर आ जाता है। वहाँ से पिटा तो 'लांग ऑन' पर।

(ङ) इस मैदान पर बाधाओं के अलावा बहुत-से गड्ढे भी हैं। इनके अलावा मैदान पर हैं थोड़ी-सी घास, सूखा-गीला कीचड़, पत्थरों के छोटे-बड़े टुकड़े, बजरी के ढेर आदि।

(च) खेल पैंतालीस मिनट तक चलता है। इस दौरान दोनों टीमों को बैटिंग करनी होती है। दोनों की एक-एक पारी होती है।

लिखित

(क) टीम से बाहर रह जाने वाले बच्चे हल्ला करते हैं, कंकड़ मारते हैं और बार-बार चिल्लाते हैं कि चलो, चलो, बस आ गई। उन्हें संतुष्ट करने के लिए उनमें से एकाध को अंपायर बना दिया जाता है, जो गुस्से में किसी को भी आउट दे देता है।

(ख) खेल के मैदान पर बार-बार गायों के आ जाने से खेल में रुकावट हो जाती है। इससे क्रिकेट के भावी कर्णधारों को ठीक तरह से खेलने का अवसर नहीं मिल पाता।

(ग) लेखक के अनुसार आम आदमी क्रिकेट के विकास के लिए अपना सिर तथा खिड़कियाँ तुड़वाता है। क्रिकेट खिलाड़ी की सुझाई गई क्रीज से दाढ़ी बनाता है। उनके बताए सूटिंग का सूट पहनकर शादी करवा लेता है। खिलाड़ी द्वारा प्रशंसित मोटर-साइकिल पर दनदनाता टाँग तुड़वाता है।

(घ) बल्लेबाजों में हर बच्चा अपने को गावस्कर या कपिल समझे बैठा है। घुमाकर मारो, यहाँ बल्लेबाज़ी का यही सिद्धांत है। कैसी भी गेंद आए या परिस्थिति हो, मारो घुमा के। यह सिद्धांत सफल भी हो जाता है। जिसका बल्ला गेंद से लग गया, चौके से कम नहीं

जाती गेंद। चार कदम पर ही तो चौके की सीमा रेखा है। सारे बच्चे चौका लगा लेते हैं। किरमिच की गेंद उछलती बहुत है, सो छक्के भी सभी लगा डालते हैं।

(ङ) एक बच्चा स्कोर याद रखता जाता है। मौखिक स्कोर बोर्ड पर किसी को भरोसा नहीं, इसलिए हर बच्चा अपना स्कोर खुद भी याद करता जाता है। इसी चक्कर में सब घालमेल हो जाता है। बाद में सभी झगड़ते हैं कि असली स्कोर क्या रहा।

(च) बस के आ जाने पर सभी बच्चे, जो लड़ रहे थे, हँसते-खेलते, हो-हल्ला करते, अपने-अपने बस्ते विकेट से निकालकर बस की तरफ बेतहाशा भागते हैं।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (ब) (✓) (ग) (स) (✓)
(घ) (द) (✓) (ङ) (अ) (✓)

3. (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✗) (घ) (✓)
(ङ) (✗) (च) (✓) (छ) (✗)

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1.

विशेषण	**विशेष्य**
(क) भीमकाय	विकेट
(ख) राष्ट्रीय	चयनकर्ताओं
(ग) दक्षिणी	छोर
(घ) सनसनीपूर्ण	गेंदबाजी
(ङ) मौखिक	स्कोरबोर्ड
(च) तेज़	बॉलिंग

2. रिकॉर्ड, बॉल, बॉलिंग, मिड ऑफ, लांग ऑन, कॉर्क, बॉलर

3. (क) काठी – बदन माचिस की तीली
(ख) खैर – किन्तु खैर (कत्था)

(ग) टर – टालना

(घ) मुद्रा – रुपया आकृति

(ङ) आम – साधारण एक फल

4. (क) धीरे-धीरे (ख) सात

(ग) मुद्रा (घ) भीतर

(ङ) ओर

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

बच्चों की इस टीम में राष्ट्रीय टीम के सारे गुण और अवगुण अभी से आ गए हैं। इसलिए कहा है क्योंकि बच्चे क्रिकेट के खेल में उत्साहित हैं तो कपिलदेव जैसा गेंदबाज मार्शल और एंडी रॉबर्ट्स के गुण उनमें मौजूद है। बल्लेबाजों के तेवर तो देखते ही बनते है उनमें हर बच्चा अपने आपको गावस्कार या कपिल समझे बैठा है, घुमाकर मारो यहाँ बल्लेबाजी का यही सिद्धांत है। कैसी भी गेंद आए या परिस्थिति हो, मारो घुमा के। यह सिद्धांत सफल भी हो जाता है। जिसका बल्ला गेंद से लग गया चौके से कम नहीं जाती गेंद।

गहन चिंतन

खेल में खेल भावना का होना आवश्यक है। हाँ, मैं खेल कोई भी हो खेलते समय खेल भावना का प्रदर्शन करता/करती हूँ। खेल को खेल की भावना से खेला जाए तो उसमें आनंद आता है। खेल में तो हार-जीत होती रहती है।

2. अनुभव आधारित अधिगम

(क) मैल्कॉम मार्शल – गेंदबाज

(ख) एंडी रॉबर्ट्स – गेंदबाज

(ग) सुनील गावस्कर – बल्लेबाज

(घ) क्लाइव लॉयड – बल्लेबाज

(ङ) कपिलदेव – गेंदबाज

(च) कृष्णामाचारी श्रीकांत – बल्लेबाज

3. कला समेकन

चित्र-वर्णन

छात्र/छात्राएँ दिए गए चित्र को देखकर 40-45 शब्दों में वर्णन करें।

15. उस रात की बात

पाठ से

1. मौखिक

(क) ज़िंदगी में कभी-कभी ऐसी अनहोनी घटना घट जाती है, जो आदमी के आचार-विचार को बदल डालती है।

(ख) बुढ़िया ने लेखक के दरवाज़े पर आकर कहा–''मेरा बेटा बहुत बीमार है। डॉक्टर ने बहुत मँहगी दवा लिखी है। मेरे पास पैसे नहीं हैं। कुछ सहायता कर दीजिए। भगवान आपका भला करेगा।''

(ग) लेखक ने अपनी बेटी को समझाया–'ये सब भीख माँगने के तरीके हैं। पैसों के लिए ये लोग क्या-क्या नहीं करते। छोड़ो, थोड़ी देर में खुद लौट जाएगी।''

(घ) लेखक के घर से पूरी मदद नहीं मिलने के कारण बुढ़िया निराश होकर चली गई।

(ङ) लेखक जब शहर से दूर जा रहा था तब रास्ते में एक बियाबान स्थान में उसकी गाड़ी खराब हो गई। आसपास खड़े पेड़ उसे डरावने लगे। जंगली जानवरों और चोर-लुटेरों के डर से वह घबरा उठा।

लिखित

(क) लेखक ने बुढ़िया को देखकर और उसकी विनती सुनकर यह समझा कि भीख माँगने का यह बहाना है। अकसर लोग ऐसा करते हैं। कभी धर्म के नाम पर, कभी अकाल, कभी बाढ़ या बीमारी के नाम पर।

(ख) जब बुढ़िया ने एक रुपए का नोट लेने से मना कर दिया और यह कहा कि मेरे पास इतना समय नहीं कि सारे शहर में घूम-घूमकर पैसे माँगूँ। विपदा में मेरी मदद करें। ऐसा सुनकर लेखक ने कहा कि बुढ़िया पूरे नखरे दिखा रही है, इससे तो बात करना ही बेकार है।

(ग) बियाबान स्थान पर लेखक की गाड़ी का इंजन खराब हो गया। धीरे-धीरे रात गहराने लगी। आस-पास खड़े पेड़-पौधे डरावने लगने लगे। गीदड़ों की 'हुआ-हुआ' सुनाई देने लगी। जंगली जानवरों और चोर-लुटेरों के डर से लेखक घबरा उठा।

(घ) लेखक ने छोटी बस्ती में एक बुढ़िया का दरवाज़ा खटखटाया। लेखक ने उस बुढ़िया को अपनी परेशानी बताया। इस पर बुढ़िया ने रात में उन्हें अपनी झोंपड़ी में रुकने के लिए कहा। लेखक वहाँ रुके, बुढ़िया ने उनका पूरा सत्कार किया। यह वही बुढ़िया थी जिसे लेखक ने कभी मदद देने से इनकार कर दिया था। लेखक अपने इस पिछले व्यवहार पर काफी लज्जित हुआ।

(ङ) खाना खाते हुए लालटेन की रोशनी में लेखक ने बुढ़िया को ध्यान से देखा। वह सन्न रह गया क्योंकि यह तो वही बुढ़िया थी, जो सहायता माँगने उसके दरवाजे पर आई थी। बातचीत से पता लगा कि उसका यही लड़का अस्पताल में था।

(च) बुढ़िया के प्रति लेखक ने जो व्यवहार किया था उसके कारण उसे अपने किए पर पछतावा हो रहा था। बुढ़िया और उसके परिवार ने लेखक को मानवता का पाठ पढ़ाया था।

2. (क) (द) (✓) (ख) (ब) (✓) (ग) (अ) (✓)

(घ) (स) (✓) (ङ) (अ) (✓) (च) (स) (✓)

3. (क) बुढ़िया जब लेखक के दरवाजे पर सहायता माँगने आई तब लेखक को ऐसा लगा कि वह एक भिखारन है और यह उसके भीख माँगने का तरीका है। लेखक का यह मानना था कि लोग पैसों के लिए क्या-क्या नहीं करते। इसलिए वे कहने लगे कि कुछ देर उसे दरवाजे पर छोड़ दो, वह स्वयं ही वहाँ से चली जाएगी।

(ख) बुढ़िया लालची नहीं थी और न ही उसने पैसे की उम्मीद में लेखक की मदद की। बुढ़िया गरीब ज़रूर थी लेकिन दिल से वह बहुत धनवान थी।

भाषा से

1.

बुढ़िया	–	बूढ़ा	पत्नी	–	पति
भिखारिन	–	भिखारी	चोर	–	चोरनी
बेटी	–	बेटा	लड़का	–	लड़की

2. (क) वह चेहरे से भिखारिन लग रही थी।

(ख) चारपाई छत पर रखी है।

(ग) मुझे विद्यालय जाना है।

(घ) पुस्तक पर मत लिखो।

(ङ) उस पर घड़ों पानी पड़ गया।

(च) भगवान आपका भला करेगा।

3. (क) वह कह रही है कि मैं भिखारिन नहीं हूँ।

(ख) वह ठीक हो जाए तो लौटा दूँगी।

(ग) मैं कार से ही गया और उसी से लौट रहा था।

(घ) मैंने उसे पुकारा और उसने सुना ही नहीं।

(ङ) यह तो वही बुढ़िया थी जो सहायता माँगने मेरे दरवाजे पर आई थी।

4. छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

वस्त्र देखकर हम किसी व्यक्ति के सच और झूठ का पता नहीं लगा सकते हैं क्योंकि कुछ परिस्थितियाँ ऐसी होता है कि इसका अंदाजा या पता लगाना मुमकिन ही नहीं बल्कि असंभव ही होता है। क्योंकि कहानी 'उस रात की बात' में लेखक द्वारा वृद्धा का बेटे के इलाज के लिए कुछ धनराशि की सहायता माँग रही थी जिसे लेखक ने इनकार कर दिया अंततः एक ऐसी परिस्थिति आई की उसी वृद्धा के यहाँ लेखक को राम मे शरण लेना पड़ी और उसी वृद्धा ने लेखक की उस रात अपने घर में शरण देकर भरपूर सहायता की।

गहन चिंतन

यदि वृद्धा उस रात में लेखक को आश्रय नहीं देती तो लेखक के शहर से दूर जाने पर रात में बियाबन स्थान में गाड़ी का इंजन खराब हो गया जिस कारण बह कही भी उस रात में नहीं जा सकता था उस जंगल से। उस परिस्थति में उस वृद्धा को अपने घर में आश्रय दिया नहीं तो उस रात लेखक परेशान हो जाता।

2. अनुभव आधारित अधिगम

छात्र/छात्राएँ 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम्' पर 80–85 शब्दों में अनुच्छेद लिखें।

3. जीवन-कौशल गतिविधि

'हम गरीब जरूर है, पर हमारा दिल गरीब नहीं हैं।' वृद्ध महिला के इस कथन से उसकी उदारता, सहृदयता, अतिथि सत्कार की भावना का पता चलता है, 'अतिथि देवोभव' अर्थात् अतिथि भगवान होता है यह उसका सर्वोत्कृष्ट गुण जाहिर होता है।

4. रचनात्मक गतिविधि

(1) जयशंकर प्रसाद (2) शैलेश पानी (3) मिथिलेश्वर
(4) इलाचंद्र जोशी (5) उपेंद्रनाथ अश्क (6) दिनकर
(7) प्रेमचंद (8) गुलेरी

16. कैप्टन लक्ष्मी सहगल

पाठ से

1. मौखिक

(क) कैप्टन लक्ष्मी सहगल देशभक्ति, बहादुरी और समर्पण की एक जीती-जागती मिशाल थीं। वह आज़ाद हिंद फौज की पहली महिला कैप्टन थीं। उन्हें सहृदयता और जन-सेवा जैसे पारिवारिक संस्कार मिले थे।

(ख) सिंगापुर के प्रवासी भारतीय मज़दूरों की हालत दयनीय थी। लक्ष्मी सहगल ने सिंगापुर जाकर उन मज़दूरों की सेवा की तथा शोषण और दमन के विरुद्ध उन्होंने अपनी आवाज़ भी बुलंद की।

(ग) लक्ष्मी सहगल आज़ाद हिंद फौज में थीं। मार्च पास्ट के दौरान जब सुभाष बाबू ने उन्हें 303 की राइफल के साथ देखा तो वे हतप्रभ रह गए। उन्होंने लक्ष्मी को कैप्टन की उपाधि से अलंकृत किया।

(घ) कैप्टन लक्ष्मी का विवाह पी०के० सहगल से हुआ।

(ङ) विवाहोपरांत कैप्टन लक्ष्मी सहगल कानपुर आ गईं। यहाँ इन्होंने चिकित्सा कर्म के माध्यम से जन-सेवा का मिशन जारी रखा।

लिखित

(क) लक्ष्मी सहगल का जन्म 24 अक्टूबर 1914 को मद्रास के एक कुलीन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इनके पिता एस० स्वामीनाथन मद्रास हाई कोर्ट में जाने-माने वकील थे। इनकी माता अम्मूकुटटी एक सक्रिय सामाजिक कार्यकत्री। थीं।

(ख) बालिका लक्ष्मी की प्रारंभिक शिक्षा मद्रास में हुई। लक्ष्मी सहगल के माता-पिता का सपना था कि उनकी बेटी डॉक्टर बने। सन

1938 में मद्रास मेडिकल कॉलेज से एम०बी०बी०एस० की डिग्री प्राप्त करके इन्होंने अपने माता-पिता के सपने को साकार किया।

(ग) सुभाषचंद्र बोस ने सिंगापुर आकर आज़ाद हिंद फौज में उन सैनिकों को भर्ती किया जो ब्रिटेन की ओर से लड़ते हुए जर्मन या जापानी सेना द्वारा गिरफ्तार कर लिए गए थे।

(घ) सुभाषचंद बोस ने सिंगापुर में आज़ाद हिंद फौज की महिला रेजीमेंट की स्थापना की। इस रेजीमेंट का नाम 'रानी झाँसी रेजीमेंट' रखा गया। इस रेजीमेंट में प्रवेश करके लक्ष्मी सहगल ने स्वयं को स्वतंत्रता संग्राम की सीधी लड़ाई से जोड़ लिया।

(ङ) आज़ाद हिंद फौज में कर्नल ढिल्लन और कर्नल शाहनवाज़ के साथ लक्ष्मी की तिकड़ी खूब मशहूर हुई। आज़ाद हिंद सरकार में लक्ष्मी महिला मामलों की मंत्री थीं।

(च) सन 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान लक्ष्मी सहगल ने अपने चिकित्सा कौशल का पूरा सदुपयोग किया और घायल सैनिकों की खूब सेवा की।

2. (क) (द) (✓) (ख) (ब) (✓)
(ग) (अ) (✓) (घ) (द) (✓)
(ङ) (ब) (✓)

3. (क) (✓) (ख) (✓) (ग) (✗)
(घ) (✓) (ङ) (✗) (च) (✗)

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1.

अनुकूल	–	प्रतिकूल	विरोधी	–	सहयोगी
देशप्रेम	–	देशद्रोह	ज्ञान	–	अज्ञान
धार्मिक	–	अधार्मिक	मशहूर	–	बदनाम
सक्रिय	–	निष्क्रिय	सदुपयोग	–	दुरुपयोग

2. आज़ाद – स्वतंत्र इलाज़ – चिकित्सा
मशहूर – प्रसिद्ध हुकूमत – शासन
गिरफ्तार – कैद मजबूत – सशक्त
मुलाकात – भेंट डिग्री – उपाधि

3. (क) मजबूत, डटकर
(ख) धार्मिक
(ग) कट्टर
(घ) सामाजिक
(ङ) साधारण-से, निःशुल्क

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

अस्पृश्यता एक सामाजिक अभिशाप है– समाज की बहुत-सी सामाजिक बुराइयाँ है, जिनमें हम निवास करते है। लेकिन सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाने वाला एक है– अस्पृश्यता। हमारे समाज में कई वर्जनाएँ हैं और वे वर्जनाएँ अकसर हमें बताती है कि हमें क्या सोचना है और एक दृष्टिकोण विकसित करना है। अस्पृश्यता एक अल्पसंख्यक समूह को सामाजिक प्रथा या कानूनी जनादेश द्वारा मुख्य धारा से अलग करने की प्रथा है। यह बस संकीर्ण सोच पर आधारित है और इसे बदलने की आवश्यकता है ताकि हमारे समाज को सभी के लिए समानता का उचित अवसर मिले।

गहन चिंतन

सेवामयी लक्ष्मी जी सिंगापुर में भारतीय मजदूरों की दुर्दशा से चिंतित होकर उनकी सहायता के लिए सिंगापुर चली गई। इससे उनकी

सहृदयता, उदारता तथा जन-सेवा के साथ-साथ राष्ट्र सेवा का गुण परिलक्षित होता है।

2. रचनात्मकता

छात्र/छात्राएँ 'आज़ाद हिंद फ़ौज का भारतीय स्वतंत्रता में योगदान' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखों।

3. अनुभव आधारित अधिगम

छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से आज़ाद हिंद फ़ौज के स्वतंत्रता सेनानियों के नाम खोज कर लिखें।

4. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ नेता जी का चित्र बनाकर उसमें उचित रंग भरें।

17. हिम्मत करनेवालों की हार नहीं होती

पाठ से

1. मौखिक

(क) हिम्मत करनेवालों की

(ख) नन्हीं चींटी से हमें यह सीख मिलती है कि असफल होने के बाद भी हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए।

(ग) 'मिलते ही न सहज ही मोती पानी में' का तात्पर्य यह है कि बिना प्रयास किए सफलता नहीं मिलती है।

(घ) असफलता से हम अपनी कमी को देख सकते हैं और फिर उस कमी को सुधार सकते हैं।

(ङ) कविता का मूल संदेश यह है कि एक बार में सफलता नहीं मिलने पर भी जो उत्साह से अपने कार्य में लगे रहते हैं, उन्हें सफलता अवश्य मिलती है। कवि ने लोगों को कभी भी हार न मानने की प्रेरणा दी है।

लिखित

(क) नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है, दीवारों पर चढ़ने के दौरान वह सौ बार फिसलती है। वह चढ़कर गिरती है और फिर गिरकर चढ़ती है।

(ख) अंत में चींटी की सफलता हमें यह प्रेरणा देती है कि मेहनत करने वालों की कोशिश बेकार नहीं होती। कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।

(ग) गोताखोर मोतियों की खोज में सिंधु में डुबकियाँ लगाता है। गोताखोर समुद्र में जब मोतियों की खोज कर खाली हाथ लौट आता है तब उसका उत्साह इस हैरानी में दूना हो जाता है।

(घ) जब तक सफलता नहीं मिल जाती, तब तक सफल होने के लिए प्रयास करूँगा। निरंतर प्रयास करते रहने से ही सफलता मिलेगी।

(ङ) जय-जयकार अर्थात् वाहवाही पाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को संघर्ष करते रहना चाहिए। सफलता पाने तक उन्हें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। नींद-चैन सब त्याग कर उन्हें सफल होने के लिए कोशिश करनी चाहिए।

2. (क) (स) (✓) (ख) (अ) (✓)
(ग) (ब) (✓) (घ) (ब) (✓)
(ङ) (अ) (✓)

3. प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि का यह कहना है कि असफलता को चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए और अपनी कमी को देखकर सुधारना चाहिए। जब तक सफलता की प्राप्ति नहीं हुई है तब तक, नींद-चैन सब कुछ त्यागकर संघर्ष करना चाहिए, मैदान छोड़कर कभी भागना नहीं चाहिए।

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. हार – जीत सहज – असहज

विश्वास	–	अविश्वास	असफलता	–	सफलता
त्याग	–	निवारण	स्वीकार	–	अस्वीकार

2. **तत्सम**–उत्साह, गृह, ओष्ठ, भ्रमर, संघर्ष

   तद्भव–साहस, दूध, गधा, नाच, नाक, ओठ, कान, सफल, लोहा

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

कवि ने चींटी और गोताखोर का उदाहरण इसलिए दिया है क्योंकि ये दोनों सतत अपने कार्य में प्रयासरत रहते हैं। अंततः इन्हें सफलता प्राप्त हो जाती है।

गहन चिंतन

कवि ने असफलता को एक चुनौती के रूप में स्वीकार करने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि– असफलता ही सफलता की कुंजी है। क्योंकि प्रयास में कहीं कोई कमी रह जाती है तभी सफलता प्राप्त नहीं है। उस कमी को एक चुनौती मानकर प्रयास करो सफलता निश्चित तुम्हारे चरण चूमेगी।

2. अनुभव आधारित अधिगम

सफलता का रहस्य क्या है? छात्र/छात्राएँ अपने मित्रों के साथ चर्चा करके संवाद रूप में लिखें।

3. रचनात्मक गतिविधि

छात्र/छात्राएँ अपने असफल साथी को पत्र लिखकर उसका मनोबल बढ़ाएँ।

4. संचार

छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

5. मौखिक अभ्यास

गायन में रुचि रखने वाले छात्र/छात्राएँ इस कविता का सस्वर गान करके हिंदी अध्यापक/अध्यापिका को सुनाएँ।

18. यात्रा की प्यास

पाठ से

1. मौखिक

(क) सन 1916 के कुछ महीने लेखक ने कश्मीर में बिताए थे।

(ख) घाटियों में हवा ठंडी थी लेकिन दिन में धूप अच्छी पड़ती थी और हवा इतनी साफ थी कि अकसर हमें चीज़ों की दूरी के बारे में भ्रम हो जाता था।

(ग) लेखक ने जब रस्सियों के सहारे कई बर्फीली नदियों को पार किया तो मुश्किलें बढ़ती गईं तथा साँस लेने में भी कठिनाई महसूस होने लगी।

(घ) लेखक एक विशाल दरार, जो मुँह बाए हुई थी, में गिर पड़ा।

(ङ) लेखक भावुक प्रकृति प्रेमी थे। नदियों, पहाड़ों आदि प्राकृतिक उपादानों से उन्हें विशेष लगाव था। लेखक को इस तरह की यात्रा करने का बहुत शौक था।

लिखित

(क) जोजी-ला की चोटी से लेखक ने देखा एक तरफ नीचे की ओर पहाड़ों की घनी हरियाली थी और दूसरी तरफ खाली खड़ी चट्टानें।

(ख) लेखक ने संकीर्ण और निर्जन घाटियों, खाली खड़ी चट्टानों, बरफ से ढँकी चोटियों जैसे सुनसान स्थानों का उल्लेख किया है। ऐसे स्थानों पर लेखक को अज़ीब संतोष का अनुभव हुआ।

(ग) लेखक ने जो सुविशाल हिमसरोवर देखा, वह बहुत ही सुंदर था। इसके चारों ओर बर्फ और घने कुहरे की परत थी।

(घ) लेखक अमरनाथ की गुफा से बहुत ऊँचाई पर थे। वहाँ बहुत-सी दरारें थीं और ताज़ी गिरनेवाली बर्फ खतरनाक दरारों को ढँक देती थी। ऐसी ही दरार के ऊपर ज्योंही लेखक ने पैर रखा, वह धँस गई और वे धम से नीचे एक विशाल दरार में जा गिरे। लेकिन लेखक के हाथ से रस्सी नहीं छूटी और वे दरार की बाजू को पकड़े रहे और ऊपर खींच लिए गए।

(ङ) लेखक जब दरार में गिर पड़े तो उनके होश ढीले हो गए। फिर भी वे आगे चलते रहे। लेकिन दरारों की तादाद और इनकी चौड़ाई आगे जाकर और भी बढ़ गई। इनमें कुछ को पार करने के साधन भी उनके पास नहीं थे। इसलिए वे थके-माँदें हताश होकर लौट आए और अमरनाथ की गुफा अनदेखी ही रह गई।

(च) कश्मीर के पहाड़ों तथा ऊँचे-ऊँचे दर्रों ने मुझे ऐसा गुग्ध कर दिया कि लेखक ने एक बार फिर वहाँ जाने का संकल्प किया। इसमें लेखक की यात्रा करने में रुचि का पता चलता है।

2. (क) (स) (✓) (ख) (अ) (✓)

(ग) (स) (✓) (घ) (स) (✓)

(ङ) (स) (✓)

3. (क) संकीर्ण और निर्जन घाटियों में यात्रा करने का लेखक का यह पहला अनुभव था। इसलिए उनमें जोश तो पूरा था लेकिन ऐसी कठिन यात्रा के अनुभव नहीं थे।

(ख) लेखक प्रकृति प्रेमी थे। यात्रा करने में भी उन्हें काफी रुचि थी। इसलिए वे निरंतर यात्रा करने में आनंद महसूस करते थे।

4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. दुर्गम – सुगम पहाड़ – पर्वत

कोशिश	–	प्रयास	परिजन	–	स्वजन
विशाल	–	भीमकाय	होश	–	सुध-बुध

2. (क) तथा (ख) क्योंकि (ग) पर

3. (क) अक्ल आना (ख) योजनाएँ बनाना
   (ग) गायब होना (घ) अत्यधिक खुशी

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

जब हम खुले आसमान के नीचे प्रकृति के सन्निध्य में होते हैं तो मानो आपकी सारी इंद्रियाँ जाग्रत हो जाती हैं। साथ ही आपको असीम शांति और सुकून की अनुभूति होती है। मानो आप सब कुछ भूलकर बस उस क्षण को अनुभव करना चाहते हैं।

गहन चिंतन

हाँ, हम कह सकते है कि लेखक नेहरू जी ने पर्वतारोहण की समुचित ट्रेनिंग के बिना ऊँची चोटियों पर चढ़ने का साहसिक प्रयास किया। नेहरू जी राजनेता के साथ-साथ एक लेखक और भावुक प्रकृति-प्रेमी भी थे। उन्हें नदियों, पहाड़ों आदि प्राकृतिक उपादानों से विशेष लगाव था।

2. वैश्विक जागरूकता

चीन में आपको कहीं भी जाना है तो आपको अपना पासपोर्ट अपने साथ रखना है या फिर आप वीजा के पेपर्स की फोटोकॉपी अपने साथ रखें क्योंकि इसकी जरूरत आपको कहीं भी पड़ सकती है। चीन में कभी भी पुलिस आपको पासपोर्ट दिखाने के लिए कह सकती है।

3. भारत का ज्ञान

सर एडमंड हिलेरी ने पहली बार एवरेस्ट फतह करके वहाँ जाने वालों के सपनों को उड़ान और हौसला दिया। तथा प्रथम भारतीय महिला पर्वतारोही बछेन्द्री पाल थी।

4. कला समेकन

छात्र/छात्राएँ हिमालय की बर्फ़ से आच्छदित चोटियों का चित्र बनाएँ।

19. स्वावलंबी

पाठ से

1. मौखिक

(क) स्वावलंबी का अर्थ आत्मनिर्भर है।

(ख) संजय रिंकू का सहपाठी है।

(ग) संजय के पिता जी की किराने की दुकान थी।

(घ) रिंकू गेहूँ पिसवाने के लिए बाहर गया था।

(ङ) डिब्बे में गेहूँ था।

लिखित

(क) माँ रिंकू से गेहूँ पिसवाने के लिए कह रही थी क्योंकि घर का नौकर चार-पाँच दिनों से छुट्टी पर था।

(ख) रिंकू गेहूँ पिसवाने से इसलिए मना कर रहा था क्योंकि इस काम को करने में वह शर्म महसूस कर रहा था।

(ग) रिंकू ने काम न करने के लिए यह दलील दी कि यह उसका काम नहीं है।

(घ) रिंकू अपने सहपाठी संजय के पास गया क्योंकि उसे अपना समय बिताना था।

(ङ) संजय अपनी दुकान में झाड़ू लगा रहा था।

(च) रिंकू की बात का संजय ने यह उत्तर दिया कि–"अपना काम करने में शर्म कैसी? फिर हमारे स्कूल में भी तो हमें सिखाया जाता है कि 'स्वावलंबी बनो' अर्थात अपना काम स्वयं करो।"

2. (क) (स) (✓) (ख) (ब) (✓) (ग) (ब) (✓)
3. छात्र स्वयं करें।
4. छात्र स्वयं करें।

भाषा से

1. अभिमानी असफलता स्वतंत्रता बेकारी
   अपमानित सुलभता परिपूर्णता स्वचालित
2. (क) (ब) (✓) (ख) (ब) (✓)
   (ग) (द) (✓) (घ) (ब) (✓)
3. अ + सफल + ता = असफलता
   अनु + करण + ईय = अनुकरणीय
   अ + सक्षम + ता = असक्षमता
   बे + इज्जत + ई = बेइज्जती

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

कोई भी काम व्यक्ति कभी-कभी पहली बार करता ही है। और व्यक्ति को अपना काम करते ही रहना चाहिए तभी उसे किसी कार्य को करने में पूर्ण निपुणता प्राप्त होती है और वह स्वावलंबी हो जाता है उसे किसी भी काम को करने में तनिक संकोच भी नहीं होता है।

गहन सोच

अपना काम करने में तनिक भी शर्म नहीं करनी चाहिए। क्योंकि अपना काम, अपना काम होता है चाहे जैसा भी हो। आप अपना काम जितने अच्छे से स्वयं कर लेंगे दूसरा कोई उतने अच्छे से आपका काम नहीं कर पाएगा।

2. क्रॉस करिकुलर लर्निंग

काम नहीं करने के अनगिनत बहाने हो सकते हैं? यह बात सही है लेकिन मैं अपने घर में कोई भी काम करने के लिए कोई भी बहाना नहीं बनाता हूँ। बल्कि धार का काम पूरी हँसी-खुशी के साथ करता हूँ।

3. सहभागिता

सहभागिता से कठिन काम आसान बन जाता है। रिंकू की माँ ने साइकिल पर गेहूँ का डिब्बा रखने में उसकी मदद की। यह पूर्ण सहभागिता का ज्वलंत उदाहरण है। मिल-बाँटकर जो काम बहुत अच्छी तरह से आसानी से हो जाता है, वो ही अकेले करने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। मैं किसी भी काम को सहभागिता से करने में पूर्ण विश्वास रखता हूँ।

4. चित्र वर्णन

छात्र/छात्राएँ नीचे दिए गए चित्र का 40-45 शब्दों में वर्णन कीजिए।

20. हार की खुशी

पाठ से

1. मौखिक

(क) हरिकृष्ण देवसरे

(ख) रवि लापरवाह लड़का था, पढ़ाई में मन लगाता ही नहीं था।

(ग) किशन पढ़ाई में अच्छा था।

(घ) मंदिर के पुजारी ने रवि को रास्ते पर लाने में मदद की।

(ङ) हार की खुशी किशन को हुई।

लिखित

(क) रवि को हॉस्टल छोड़ते वक्त माँ ने कहा–''बेटे, तुम्हारे पिता जी की यही इच्छा थी कि मैं तुम्हें खूब पढ़ाऊँ। मैं खुद भूखी रह लूँगी, पर तुम्हें कोई तकलीफ़ नहीं होने दूँगी। तुम मन लगाकर पढ़ना। अपने पिता जी का सपना पूरा करना, इसी में मेरी खुशी है।''

(ख) रवि पढ़ाई के प्रति बिलकुल भी गंभीर नहीं था।

(ग) रात भर किशन रवि के बारे में ही सोचता रहा। इसलिए उसकी नींद उड़ चुकी थी। वह सो नहीं सका।

(घ) किशन ने रवि से पढ़ने के लिए कहा तो रवि पर उसकी बातों का कोई असर नहीं हुआ। वह बोला, ''तुम तो बेकार ही परेशान हो। मैं बस उतना ही पढ़ता हूँ, जितना ज़रूरी है। मंदिर के पुजारी जी कहते थे–भगवान शिव का जिसे आशीर्वाद प्राप्त होता है, वह कभी असफल नहीं होता। मैं जानता हूँ, भगवान शिव मेरी मदद अवश्य करेंगे।''

(ङ) रवि को रास्ते पर लाने के लिए किशन ने उसे बहुत समझाया। फिर किशन ने इस कार्य में मंदिर के पुजारी जी की भी मदद ली।

(च) मंदिरवाली बात का रवि पर गहरा प्रभाव पड़ा और उसने पुजारी जी को वचन दिया कि वह भगवान शिव के आदेश का पालन करेगा। इसके बाद रवि अपनी पढ़ाई के प्रति गंभीर होने लगा और कड़ी मेहनत कर वह अपनी कक्षा में प्रथम आया।

(छ) वार्षिक परीक्षा में रवि ने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2. (क) रवि उन्हें <u>हॉस्टल</u> के फाटक तक पहुँचाने गया था।

(ख) लेकिन दूसरे लड़के भी अब उसे <u>नापसंद</u> करने लगे हैं।

(ग) उनके सपनों को <u>जान-बूझ</u> कर मिटा रहे हो।

(घ) <u>दर्शन</u> करनेवालों की भीड़ लगी रहती है।

(ङ) शाम को कमरे में आकर होमवर्क करने बैठ गया।

(च) किंतु मुझे न आश्चर्य था न अफसोस।

3. (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✓)

(घ) (✓) (ङ) (✓)

4. (क) रात भर जागने के कारण।

(ख) रवि के बारे में।

(ग) रवि मेहनत नहीं करता था।

(घ) तुम रवि को अपने जैसा क्यों नहीं बनाते?

भाषा से

1. भर्ती, तकलीफ़, ज़ाहिर, अफ़सोस

2.

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग
पुजारी	–	पुजारिन	सुनार	–	सुनारिन
लुहार	–	लुहारिन	धोबी	–	धोबिन
नाई	–	नाईन	कुम्हार	–	कुम्हारिन
कहार	–	कहारिन	मदारी	–	मदारिन

3. छात्र स्वयं करें।

4. (क) (अ) (✓) (ख) (ब) (✓)

(ग) (स) (✓) (घ) (ब) (✓)

(ङ) (स) (✓)

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

एक सच्चा मित्र ही, मित्र से हारकर खुशी महसूस कर सकता है। मैं

इस बारे में बिल्कुल यही बात सोचता हूँ, क्योंकि सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र को सच्ची खुशी दे सके। उसकी खुशी में अपनी खुशी तथा उसकी जीत में अपनी जीत महसूस करें।

गहन सोच

अपने दोस्त में आए बदलाव की सबसे अधिक खुशी किशन को थी। यह बात बिल्कुल सही है, क्योंकि पहले रवि पढ़ाई में लापरवाह था वह पढ़ाई में बिल्कुल भी ध्यान न देकर के खेलने, बाते करने, सिनेमा देखने में व्यतीत कर देता था अपना समय खाना खाना फिर सो जाना यही उसकी दिनचर्या थी जिस कारण वह छमाही परीक्षा में असफल घोषित हुआ था जिसके लिए उसे अधिक मेहनत करने की चेतावनी दी गई थी, किंतु रवि पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। लेकिन किशन के साथ से रवि पढ़ाई में ध्यान लगाने लगा और वह परीक्षा में प्रथम आया था जिसकी सर्वाधिक खुशी किशन को ही थी।

2. विषय संवर्धन गतिविधि

छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

3. सहभागिता

रवि के प्रथम आने में उसके मित्र किशन और शिव मंदिर के पुजारी की प्रमुख सहभागिता रही है। यह बिल्कुल यह उसके मित्र किशन तथा शिव मंदिर के पुजारी के सहयोग का ही परिणाम है कि छमाही परीक्षा में असफल होने वाला रवि वार्षिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास हो जाता है।

4. अनुभव आधारित अधिगम

परियोजना-कार्य

छात्र/छात्राएँ विभिनन धर्मों के पूजा स्थलों का चित्र आर्ट पेपर पर चिपकाएँ।

21. बेआवाज़ पत्थर

पाठ से

1. मौखिक

(क) दिल्ली के किशनगंज स्टेशन पर।

(ख) एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने के लिए।

(ग) 11-12 साल।

(घ) पत्थर बजाकर पैसे कमाने के लिए।

(ङ) बच्चा ट्रेन की चपेट में आ गया।

लिखित

(क) कड़कड़ाती ठंड में रोहतक से दिल्ली और दिल्ली से रोहतक तक की ट्रेन की यात्रा करना लेखक को कष्टकारी लग रही थी।

(ख) लड़के ने बदन पर मात्र एक कमीज़ पहन रखी थी जो जगह-जगह से फटकर तार-तार हुई जा रही थी। उसने मैली तथा अधखुली पैंट पहन रखी थी।

(ग) लड़का गाने का काम अपने परिवार का पेट भरने के लिए करता था।

(घ) गानेवाले लड़के का बाप शराबी था और वह गाने से कमाए हुए पैसे अपने लड़के से छीन लेता था। एक दिन लड़का गाने के लिए जाने से मना कर दिया तो उसके बाप ने उसे घसीटते हुए स्टेशन पर लाया और पीटने लगा। लड़के का बाप शराब के नशे में धुत था, लड़का उसकी पकड़ छुड़ाकर भागा और एक ट्रेन की चपेट में आ गया।

(ङ) कहानी का नाम 'बेआवाज़ पत्थर' इसलिए रखा गया क्योंकि एक लड़का दो पत्थरों को बजाकर मुसाफ़िरों से पैसे माँगकर अपने परिवार के लोगों का पेट भरता था।

2. (क) (ब) (✓) (ख) (ब) (✓)

3. (क) अचानक एक लड़का <u>कंपार्टमेंट</u> में आया।

(ख) सहयात्रियों में से किसी ने उसे एक रुपया दे दिया।

(ग) मैंने प्रश्नों का सिलसिला जारी रखा।

(घ) लोग ट्रेन से उतरकर इंजन की तरफ भाग रहे थे।

भाषा से

1.

शब्द	प्रत्यय	मूल शब्द
घड़ीसाज	साज	घड़ी
मधुरता	ता	मधुर
सड़ियल	अल	सड़
अक्लमंद	मंद	अक्ल
चचेरा	एरा	चाचा
श्रीमान	मान	
दगाबाज़	बाज़	दगा

2. (क) तत्पुरुष (ख) अव्ययीभाव

3. (क) गैरकानूनी (ख) पठनीय

(ग) दूरदर्शी (घ) पारदर्शी

रचनात्मक मूल्यांकन

छात्र स्वयं करें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP)

1. पाठ्यचर्या एकीकरण

तार्किक सोच

बच्चों की परिवरिश में असक्षम माता-पिता को यह सलाह है कि वे अपने बच्चों को अपनी जीविकोपार्जन का साधन मानने की बजाय उनकी पढ़ाई-लिखाई तथा उसके भविष्य को सँवारने का काम करना चाहिए। पैसा तो पढ़ाई-लिखाई के बाद भी कमा सकते है क्योंकि

पढ़ाई-लिखाई की एक उम्र होती है। अत: माँ-बाप को चाहिए कि वे पहले अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर टूटा ध्यान दें उसके बाद उन्हें धनोपार्जन के लिए प्रेरित करें।

गहन सोच

स्कूल जाने की उम्र में बच्चों को कमाने के लिए इसलिए विवश कर दिया जाता है क्योंकि बहुत-से माँ-बाप की आर्थिक स्थिति दयनीय होती है उन्हें अपना परिवार के पालन-पोषण मे असुविधा होती है अत: वे चाहते हैं कि उनके बच्चे जाएँ और पैसा कमाकर घर लाए जिससे वे घर का खर्चा चला सकें। इसलिए बहुत-से माँ-बाप बच्चों को स्कूल जाने की उम्र में बच्चों को कमाने के लिए विवश कर दिया जाता है।

2. क्रॉस करिकुलर लर्निंग

"नशा सभ्य समाज के लिए विनाशकारी है।" मैं इस कथन से शत-प्रतिशत सहमत हूँ क्योंकि नशे के आदी व्यक्ति को समाज में हेय दृष्टि से देखा जाता है। नशा करने वाला व्यक्ति परिवार के लिए बोझ स्वरूप हो जाता है, उसकी समाज एवं राष्ट्र के लिए उपादेयता शून्य हो जाती है। वह नशे से अपराध की ओर अग्रसर हो जाता है तथा शांतिपूर्ण समाज के लिए विनाश का कारण बन जाता है।

3. अनुभव आधारित अधिगम

(घ) उनका हृदय परिवर्तन कर तथा नशे की लत छुड़ाकर।

4. कला समेकन गतिविधि

चित्र-वर्णन

चित्र को ध्यान से देखकर 40-45 शब्दों में उसका वर्णन छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।